राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार ,08 सितंबर–2021 वर्ष–4,अंक–227 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंजशीर में अज्ञात सैन्य विमानों ने तालिबान के ठिकानों पर किया हमला, नॉर्दन अलायंस बोला- आखिरी सांस तक लड़ेंगे युद्ध

काबुल। तालिबान ने विरोधियों के कब्जे वाले आखिरी प्रांत पंजशीर को नियंत्रण में लेने का दावा भले ही कर रहा हो, लेकिन जंग अभी बाकी है। पंजशीर घाटी में लगातार गोले-बारूदों की आवाज सुनाई देने की खबरें आ रही हैं। तालिबान के ठिकानों को निशाना बनाकर अज्ञात सैन्य हमले किए जा रहे हैं। तालिबान का विद्रोही गुट नॉर्दन अलायंस ने दावा किया है कि जंग अभी जारी है। युद्ध का नेतृत्व कर रहे नेताओं ने कहा कि हम तबतक हार नहीं मानेंगे जब तक हमारी सांसें चलती रहेंगी। नॉर्दन अलायंस के लड़ाके तालिबान को चुनौती दे रहे हैं।

पंजशीर के लड़ाकों ने पाकिस्तान के विमान को मार गिराया- नॉर्दन अलायंस की अगुआई कर रहे अफगानिस्तान के पूर्व उपराष्ट्रपति अमरुल्ला सालेह और तालिबान विरोधी अहमद शाह मसूद के बेटे कर अहमद मसूद ने कहा था कि नॉर्दन अलायंस खून की आखिरी बूंद तक लड़ता रहेगा। उन्होंने यह भी दावा किया था कि पंजशीर के लड़ाकों ने पाकिस्तान के फाइटर विमान को मार गिराया है। इससे पहले खबरें थीं कि पंजशीर के लड़ाकों पर तालिबान ने पाकिस्तानी जेट विमान से हमला किया, जिसमें बड़ी संख्या में नॉर्दन अलायंस के सैनिकों के मारे जाने की खबर थी।

पंजशीर के गवर्नर हाउस पर तालिबानी झंडा फहराने का एक वीडियो जारी किया

इससे पहले तालिबान के लड़ाके सोमवार को पंजशीर के आठ जिलों पर कब्जा करने का दावा किया था। बड़ी संख्या में तालिबानी लड़ाके पंजशीर में घुसकर विद्रोही गुट को खत्म करने का दावा किया और गवर्नर ऑफिस के बाहर तालिबान ने अपना झंडा फहरा दिया था। तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने कहा कि नेशनल रेसिस्टेंस फ्रंट ऑफ अफगानिस्तान का नेतृत्व कर रहे अहमद मसूद और पूर्व उपराष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह पड़ोसी मुल्क ताजिकिस्तान भाग गए हैं।

BRICS सम्मेलन में छाया रहेगा अफगानिस्तान का मुद्दा, पीएम मोदी करेंगे अध्यक्षता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को ब्रिक्स के 13वें वार्षिक शिखर सम्मेलन की आभारी (वर्चुअल) माध्यम से अध्यक्षता करेंगे। उम्मीद है कि इस सम्मेलन में अफगानिस्तान की स्थिति पर व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया जाएगा। वर्तमान में भारत ही इस संगठन का अध्यक्ष है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, बैठक में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और ब्राजील के जायर बोल्सोनारो शामिल होंगे। यह दूसरी बार है जब प्रधानमंत्री मोदी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। इससे पहले उन्होंने 2016 में गोवा में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता की थी। इस बार के शिखर सम्मेलन का विषय है, 'BRICS@5: निरंतरता, समेकन और आम सहमति के लिए अंतर-ब्रिक्स सहयोग'।

इस बार अध्यक्ष भारत की ओर से विचार के लिए चार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की रूपरेखा तैयार की गई है। ये हैं- बहुपक्षीय प्रणाली में सुधार, आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष, एसडीजी प्राप्त करने के लिए डिजिटल और तकनीकी उपकरणों का उपयोग और लोगों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा देना। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इन क्षेत्रों के अलावा, नेता कोविड-19 महामारी और अन्य मौजूदा वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों के प्रभाव पर भी विचार करेंगे।

इस बीच, भारत में रूसी राजदूत निकोले कुदाशेव ने कहा कि शिखर सम्मेलन में अफगानिस्तान की स्थिति पर प्रमुखता से विचार किए जाने की उम्मीद है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सम्मेलन में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, न्यू डेवलपमेंट बैंक के अध्यक्ष मार्कोस ट्रॉयजो, ब्रिक्स बिजनेस काउंसिल के अध्यक्ष ओंकार कंवर और ब्रिक्स महिला व्यापार गठबंधन की अस्थायी अध्यक्ष संगीता रेड्डी अपने-अपने क्षेत्रों के बारे में रिपोर्ट पेश करेंगे।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, बैठक में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और ब्राजील के जायर बोल्सोनारो शामिल होंगे।

ब्रिक्स में दुनिया के पांच सबसे बड़े विकासशील देश- ब्राजील- रूस- भारत- चीन- दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं, जिनकी आबादी दुनिया की आबादी का 41 प्रतिशत है। जबकि इनका सकल घरेलू उत्पाद दुनिया की जीडीपी का 24 प्रतिशत और व्यापार दुनिया के कुल व्यापार का 16 प्रतिशत है।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस वे पर कार-ट्रक की टक्कर, हादसे में पांच लोगों की मौत

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मसूरी में दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत की सूचना है। बताया जा रहा है कि यह हादसा कार और ट्रक की जबरदस्त भिड़ंत के बाद हुआ, जिसमें बच्चे व दो महिलाओं समेत पांच लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार यह हादसा हरिद्वार से गाजियाबाद आ रहे रास्ते की ओर हुआ है। कार में दो परिवार मौजूद थे जिनमें से चार की जान चली गई। बताया जा रहा है कि दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हैं जिनका स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। सभी मृतक मकनपुर के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया व घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है।

बेंगलुरु मानव तस्करी मामले में

13 बांग्लादेशियों के खिलाफ एनआइए ने दाखिल किया आरोपपत्र

बेंगलुरु। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने 13 बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ पड़ोसी देश से भारत में घुसपैठ करने के बाद महिला एवं बच्चों की तस्करी करने में संलिप्तता के लिए विशेष कोर्ट में आरोपपत्र दाखिल किया है। एनआइए अधिकारी ने कहा कि रफीक, सोबुज शेख, मुहम्मद रफीकदुल इस्लाम रिडोय, रकीबुल इस्लाम, मुहम्मद बाबू मौला, मुहम्मद अलामी हुसेन, मुहम्मद दालिम, हुसैन अजीम, मुहम्मद जमाल, एनामुल हक शुजान, मुहम्मद रुहुल अमीन, रिदाय इस्लाम और मुहम्मद मिलोन बिस्वास पर भादवि की धाराओं, विदेशी अधिनियम और अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए हैं। यह मामला जून में बेंगलुरु में 13 आरोपितों के खिलाफ दर्ज किया गया था। किराए के एक घर पर छापेमारी में पुलिस ने सात बांग्लादेशी महिलाओं और एक बच्चे को चार मानव तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया था। एनआइए ने यह मामला अपने हाथों में ले लिया और पाया कि जिन 13 आरोपितों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया है उन्होंने बांग्लादेश से भारत में घुसपैठ की है। वे लोग बांग्लादेश से रोजगार का लालच देकर महिलाओं को भारत लाते थे। यौन शोषण के लिए महिलाओं को किराए के घर में कैद कर रखा जाता था। आरोपितों ने जाली पहचान पत्रों से आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं अन्य हासिल करने का प्रयास किया था।

सुप्रीम कोर्ट–उत्तराखंड हाईकोर्ट के कोर्टरूम सुनवाई के फैसले पर रोक से किया इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कोविड-19 काल में शुरू हुई वर्चुअल (आभासी) सुनवाई को वादियों का मौलिक अधिकार घोषित करने की मांग वाली याचिका पर बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एसीईबीए) से जवाब मांगा है। जस्टिस एल नागेश्वर राव, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस बीएन नागरत्ना की पीठ ने हालांकि उत्तराखंड हाईकोर्ट के उस आदेश पर फिलहाल रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसमें कहा गया था कि अदालत कोर्टरूम सुनवाई फिर से शुरू करेगी और वर्चुअल सुनवाई के किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा। याचिकाकर्ता संगठन ऑल इंडिया ज्यूरिस्ट्स एसोसिएशन व अन्य की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिदार्थ लूथरा ने कहा कि यह मामला वादियों के अधिकार पर प्रतिबंध से संबंधित है। पीठ ने वकील से कहा, हम बीसीआई और एससीबीए को नोटिस जारी कर रहे हैं। देखते हैं कि उनकी प्रतिक्रिया क्या है? हमने हाईकोर्ट का आदेश देखा है लेकिन हम इस पर रोक नहीं लगाने जा रहे हैं। पीठ ने बीसीआई और

अदालत कोर्टरूम सुनवाई फिर से शुरू करेगी और वर्चुअल सुनवाई के किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

एसीईबीए को नोटिस जारी करते हुए चार हफ्ते में जवाब दाखिल करने के लिए कहा है। लूथरा ने पीठ से कहा कि अदालतों ने अलग-अलग निर्देश जारी किए हैं। हाइब्रिड विकल्प को समाप्त नहीं किया जाना चाहिए। वादियों को वकीलों की यात्रा पर होने खर्च का वहन नहीं करना पड़ेगा। इस पर पीठ ने वकील से कहा, हम उम्मीद कर रहे हैं कि सामान्य स्थिति हो। 70 साल से वादियों की क्या स्थिति थी। लूथरा ने कहा कि 2013 में इलेक्ट्रॉनिक सुधार आया है। इस पर पीठ ने बीसीआई केअध्यक्ष द्वारा शनिवार को एक समारोह में दिए गए बयान का हवाला दिया। समारोह में कहा गया था कि आभासी सुनवाई के कारण वकीलों को नुकसान हो रहा है। लूथरा ने कहा कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मामलों को सुनवाई नहीं हो पा रही थी। इस पर पीठ ने कहा, युवा वकील कैसे सीखेंगे? अदालत में आंख से आंख मिलाना होता है। ऑनलाइन अदालत और ऑफलाइन अदालतों के बीच अंतर है। जल्द ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा कब्जा कर लिया जाएगा और कुछ देशों ने भी निर्णय लेने के लिए इसका सहारा लिया। लेकिन हमने स्पष्ट रूप से कहा कि इसका उपयोग भारतीय अदालतों में नहीं किया जा सकता है।

भ्रष्ट लोक सेवकों के खिलाफ जांच से पहले पुलिस को लेनी होगी मंजूरी

कार्मिक मंत्रालय ने जारी किया आदेश

नई दिल्ली। कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश के अनुसार, केंद्र ने कथित भ्रष्ट लोक सेवकों के खिलाफ कोई भी जांच करने से पहले पुलिस अधिकारियों को अनिवार्य पूर्वानुमति लेने के लिए एसओपी जारी की है। बता दें कि जुलाई 2018 में 30 साल से अधिक पुराने भ्रष्टाचार निवारण (पीसी) अधिनियम, 1988 में किया गया संशोधन एक पुलिस अधिकारी को अधिकारियों की पूर्व अनुमति के बिना किसी लोक सेवक द्वारा कथित रूप से किए गए किसी भी अपराध की कोई जांच करने से रोकता है। संशोधन लागू होने के तीन साल से भी अधिक समय बाद पूर्व अनुमति की प्रक्रिया के एकसमान तथा प्रभावी क्रियान्वयन के मद्देनजर प्रक्रियाओं के मानकीकरण के लिए ये एसओपी जारी की गई। केंद्र और राज्य सरकार के विभागों के सचिवों को जारी आदेश में कहा गया कि इन एसओपी में किसी पुलिस अधिकारी द्वारा प्राप्त सूचना की चरणबद्ध प्रक्रिया का प्रावधान है। इसमें पूर्व अनुमति मांगने के लिए पुलिस अधिकारी के दर्जे का भी उल्लेख है। जांच एजेंसियों के अलावा केंद्र और राज्य सरकारों के मंत्रालयों तथा विभागों समेत सभी प्रशासनिक प्राधिकारों को इस एसओपी का सख्ती से पालन करने को कहा गया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक के साथ एसओपी को साझा किया गया है और कहा गया है कि सभी क्षेत्रीय इकाइयों को इन एसओपी के कड़ाई से पालन की जानकारी हो।

कोरोना गया नहीं कि फैलता जा रहा है निपाह वायरस, केंद्र ने चिट्ठी लिखकर केरल को बताए रोकथाम के तरीके

नई दिल्ली। केरल में 12 वर्षीय बच्चे की निपाह विषाणु संक्रमण से मौत हो जाने के बाद केंद्र सरकार ने सोमवार को केरल सरकार को एक पत्र लिखकर कड़ी निगरानी, संपर्क सूत्रों का पता लगाने, अस्पताल प्रशासन को सशक्त बनाने और जानकारी प्रदान करने में समन्वय स्थापित करने की सलाह दी है। केरल के मुख्य सचिव वी.पी. जॉय को भेजे इस पत्र में कहा गया है कि कंटेनमेंट जोन के भीतर किसी भी संदिग्ध मामले का पता लगाने के लिए सक्रिय रूप से काम किया जाना चाहिए तथा अस्पताल और समुदाय आधारित निगरानी को मजबूत किए जाने की आवश्यकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने इस पत्र में कहा, 'जिला प्रशासन को प्राथमिक और द्वितीय संपर्क सूत्रों की पहचान करनी है और अधिक

जोखिम तथा कम जोखिम वाले संपर्क सूत्रों की सूची तैयार करनी है।' उन्होंने कहा कि संबंधित जिला प्रशासनों को होम क्वारंटीन के स्वीकृत मानकों का अनुपालन करना होगा और ऐसे मामलों की बाद में भी जांच-पड़ताल करनी चाहिए।

निपाह वायरस रोग के लक्षण क्या हैं?- इसके होने के बाद सांस की बीमारी के साथ बुखार, मांसपेशियों में दर्द, सिरदर्द, बुखार, चक्कर आना और मतली जैसी समस्याएं सामने आती हैं। कुछ लोगों में मिर्गी के लक्षण दिखने की भी संभावना होती है। एक बार जब संक्रमण बढ़ जाता है तो रोगी बेहोश हो सकता है और दिमागी बुखार हो सकता है, जिसके बाद मौत भी हो सकती है।

क्या निपाह वायरस रोग के इलाज के लिए कोई दवा है?

निपाह वायरस रोग के इलाज के लिए कोई दवा नहीं है लेकिन मरीजों को एंटी-विट्रियल दवाएं दी जाती हैं।

निपाह वायरस कैसे संक्रमित होता है?

मुख्य रूप से लोग पक्षियों और जानवरों के जरिए इससे संक्रमित हो जाते हैं और फल चमगादड़ मुख्य वाहक होते हैं। आम तौर पर ये वायरस इंसानों में इंफेक्शन की चपेट में आने वाली चमगादड़ों, सूअरों या फिर दूसरे इंसानों से फैलता है। यह जानवरों से इंसानों में शरीर के तरल पदार्थ के जरिए फैलता है और उसी तरह इंसानों में भी फैल सकता है।

निपाह वायरस के संक्रमण को कैसे रोकें?

लोगों को पक्षियों या जानवरों द्वारा काटे गए फलों से बचना चाहिए और चमगादड़ और अन्य पक्षियों से दूर रहना चाहिए। उन्हें चमगादड़ से प्रभावित क्षेत्रों से एकत्रित ताड़ी नहीं पीनी चाहिए। उन्हें डबल मास्क पहनना चाहिए और अपने हाथ ठीक से धोना चाहिए। अगर किसी को अस्पताल जाना है तो वह पीपीई किट पहन कर ही जाए।

बाड़मेर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर करेगा आपातकालीन लैंडिंग का अभ्यास, विमान में सवार होंगे राजनाथ, गडकरी

नई दिल्ली। वायुसेना का एक विमान इस हफ्ते राजस्थान के बाड़मेर में एक राष्ट्रीय राजमार्ग पर आपातकालीन लैंडिंग का अभ्यास करेगा। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि इस विमान में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी सवार होंगे। सूत्रों ने बताया कि दोनों मंत्री इस सप्ताह बाड़मेर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर 3.5 किलोमीटर लंबी पट्टी का उद्घाटन करेंगे। यह पट्टी वायुसेना के लड़ाकू विमानों व अन्य विमानों की आपातकालीन लैंडिंग के लिए तैयार है। यह देश का पहला राष्ट्रीय राजमार्ग है जिसका इस्तेमाल वायुसेना के विमानों की आपातकालीन लैंडिंग के लिए किया जाएगा। अक्तूबर 2017 में वायुसेना के लड़ाकू जेट और परिवहन विमानों ने लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर लैंडिंग का अभ्यास किया था ताकि यह दिखाया जा सके कि ऐसे राजमार्गों का इस्तेमाल वायुसेना के विमानों को आपात स्थिति में उतारने के लिए किया जा सकता है।

ऐसे 12 राष्ट्रीय राजमार्ग तैयार किए जा रहे-सूत्रों के मुताबिक, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों ने बाड़मेर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर

हवाई पट्टी तैयार करने में वायुसेना अधिकारियों के साथ मिलकर काम किया। उन्होंने कहा कि बाड़मेर के अलावा देशभर में कम से कम ऐसे 12 राष्ट्रीय राजमार्ग तैयार किए जा रहे हैं ताकि आपात स्थिति में वायुसेना के विमान इनका इस्तेमाल हवाई पट्टी के तौर पर कर सकें। सूत्रों ने बताया कि 12 राष्ट्रीय राजमार्ग के जिन हिस्सों को हवाई पट्टी के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा, उनकी पहचान की जा रही है और उन्हें तैयार किया जा रहा है।

आंध्र प्रदेश में तैयार हो चुकी हैं हवाई पट्टी, बंगाल और जम्मू-कश्मीर में चल रहा काम

सूत्रों ने बताया कि आंध्र प्रदेश में ऐसी दो हवाई पट्टी बनकर तैयार हो चुकी हैं और पश्चिम बंगाल व जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय राजमार्गों पर एक-एक और हवाई पट्टी बनाई जा रही है। उत्तर प्रदेश में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर हवाई पट्टी ऑपरेशनल है।

इन देशों में पहले से है यह व्यवस्था

जर्मनी, स्वीडन, दक्षिण कोरिया, ताइवान, फिनलैंड, स्विटजरलैंड और सिंगापुर सहित कई देशों ने अपने राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर विमानों के उतरने और आपात स्थिति में उड़ान भरने के लिए ऐसी हवाई पट्टी बनाई हैं

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

खास खिलाड़ियों की चमक

भारतीय खेलों के लिए यह एक तरह से नए युग का आगाज है। ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन के बाद अब पैरालंपिक में भी भारत ने ऐतिहासिक प्रदर्शन कर दुनिया को चौंका दिया है। खुद भारत में लोगों को इतने पदकों की उम्मीद न थी। गली-गली में उचित ही चर्चा हो रही है कि आज तक हुए पैरालंपिक खेलों में देश को कुल 12 पदक नसीब हुए थे, लेकिन इस बार टोक्यो में आयोजित पैरालंपिक में देश 19 पदक लाने में कामयाब रहा है। इसके पहले के पैरालंपिक के प्रति हर तरह से उदासीनता रहती थी, लेकिन इस बार इन खेलों के प्रति सरकार के जिन अधिकारियों ने उत्साह दिखाया है, वे वाकई बधाई के पात्र हैं। भारत से अपेक्षाकृत एक बड़े दल को पैरालंपिक में भेजकर भरोसा जताया गया। नौ प्रकार के खेलों में भाग लेने के लिए हमारे 54 खिलाड़ी गए और 19 पदकों के साथ लौटे हैं, तो बेशक यह आनुपातिक रूप से भी बड़ी सफलता है। करीब दस खिलाड़ी तो पदक के करीब जाकर रह गए हैं, अगर उनका मानसिक स्तर मजबूत होता, तो भारत के आधे खिलाड़ी पदक जीतकर लौटने में कामयाब होते। पैरालंपिक की जीत इसलिए भी ज्यादा मायने रखती है कि हमारे देश में अनेक लोग आज भी दिव्यांगों को महत्व नहीं देते हैं। आज ऐसे लोग अपनी पिछड़ी सोच पर पुनर्विचार कर रहे होंगे। खिलाड़ियों ने यह साबित कर दिया है कि अगर उन पर भरोसा किया जाए, तो भविष्य में और भी पदक हासिल होंगे और भारत अपने आज के प्रदर्शन से कई गुना बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। भारत के पास पांच स्वर्ण, आठ रजत और छह कांस्य पदक हैं और वह दुनिया में 24वें स्थान पर है। पिछली बार भारत को केवल चार पदक मिले थे। इन खास खिलाड़ियों ने कुछ ऐसी कामयाबियां अपने नाम की हैं कि उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। गौतमबुद्ध नगर के डीएम सुहास यतिराज की कामयाबी तो भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए भी खास है। यतिराज पहले आईएएस हैं, जिन्होंने पैरालंपिक में न केवल बैडमिंटन में भाग लिया, बल्कि रजत पदक भी जीता है। आज वह किसी नायक से कम नहीं हैं। उनकी यह कामयाबी युवाओं के लिए बहुत प्रेरणास्पद सिद्ध होगी। पहली बार सबके सामने यह स्पष्ट हो गया है कि इन खिलाड़ियों को कतई कम नहीं आंकना चाहिए। टेबल टेनिस में रजत जीतकर भाविनाबेन पटेल ने भारत के लिए शानदार शुरुआत की थी। 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग स्टैंडिंग इवेंट में शूटर अवनि लेखरा ने स्वर्ण जीता। उन्होंने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में भी कांस्य पदक जीता। इसके अलावा, सुमित अंतिल ने कई विश्व रिकॉर्ड तोड़ते हुए, मनीष नरवाल और प्रमोद भगत ने भी शीर्ष स्थान हासिल किया। अंतिम दिन, कृष्णा नागर ने बैडमिंटन में स्वर्ण जीता। निषाद कुमार, देवेंद्र झाझरिया, सुंदर सिंह गुर्जर भी कामयाब रहे। खास यह कि देवेंद्र ने अपने पैरालंपिक करियर के दो स्वर्णों में एक रजत पदक जोड़ लिया है। योगेश कथुनिया, सिंहराज अधाना, मरियप्पन थंगावेलु, शरद कुमार इत्यादि अनेक नाम हैं, जो भारत को पैरालंपिक में आगे की राह दिखाएंगे। वास्तव में, अब लगने लगा है कि खेलों के प्रति हमारा व्यवहार बदल गया है। सरकारों को इन विशेष खिलाड़ियों के जीवन को हर प्रकार से सुरक्षित, संरक्षित करना चाहिए। कोई आश्चर्य नहीं, हरियाणा सरकार ने शुरुआत कर दी है।

सभी बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है अवनि का गोल्डन सफर

पैरालम्पिक - योगेश कुमार गोयल

टोक्यो पैरालम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों ने कमाल का प्रदर्शन किया है। सबसे बड़ा कारनामा कर दिखाया है भारत की पैरा शूटर अवनि लेखरा ने जो 5 सितम्बर को पैरालम्पिक के समापन समारोह में भारतीय ध्वजवाहक बनीं। दरअसल अवनि ने इस पैरालम्पिक में दो-दो पदक जीतकर ऐसा इतिहास रच डाला, जो अबतक ओलम्पिक या पैरालम्पिक के इतिहास में भारत की कोई भी महिला खिलाड़ी नहीं कर सकी है। भारतीय निशानेबाज अवनि लखेरा ने टोक्यो पैरालम्पिक में 30 अगस्त को हुई निशानेबाजी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था, जो पैरालम्पिक्स के इतिहास में भारत का शूटिंग में पहला स्वर्ण पदक था। अवनि ने 21 निशानेबाजों के बीच 7वें पायदान पर रहते हुए फाइनल में अपनी जगह बनाई थी और महिलाओं के आर-2 10 मीटर एयर राइफल क्लास एसएच-1 में फाइनल मैच में उनका मुकाबला चीन की झांग कुइपिंग और यूक्रेन की इरियाना शेतनिक से था। अवनि ने 249.6 प्वाइंट प्राप्त कर न केवल चीन की शूटर को पराजित करते हुए स्वर्ण पर कब्जा जमाया बल्कि यूक्रेन की खिलाड़ी के वर्ष 2018 के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी भी की। अवनि की जीत के बाद चीन की झांग कुइपिंग को रजत और यूक्रेन की इरियाना शेतनिक को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। व्हील चेयर पर होते हुए भी जयपुर की अवनि ने महज 19 वर्ष की आयु में निशानेबाजी में 30 अगस्त को भारत के लिए पहला पैरालम्पिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद जब 3 सितम्बर की निशानेबाजी स्पर्धा में कांस्य पदक भी भारत के नाम किया तो उनकी इस उपलब्धि पर हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा हो गया। दरअसल इस जीत के साथ ही अवनि एक ही पैरालम्पिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई। हालांकि पुरुषों की स्पर्धा में अवनि से पहले यह कारनामा जोगिंदर सिंह सोढ़ी कर चुके हैं, जिन्होंने 1984 के पैरालम्पिक में एक रजत और दो कांस्य पदक (गोला फैंक में रजत और चक्का फैंक तथा भाला फैंक में कांस्य) जीते थे। वह किसी भी पैरालम्पिक में खेलों के एक ही चरण में कई पदक जीतने वाले पहले भारतीय थे। अवनि ने टोक्यो पैरालम्पिक में महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन एसएच1 स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। उस स्पर्धा के फाइनल में 445.9 के स्कोर के साथ वह तीसरे स्थान पर रही। 8 नवम्बर 2001 को राजस्थान के जयपुर में जन्मी अवनि लखेरा के पिता प्रवीण लखेरा राजस्थान के रेवेन्यू विभाग में आरएएस के पद पर कार्यरत हैं। अवनि जब केवल 11 वर्ष की थी, उस दौरान उनके साथ एक दिन ऐसी घटनी घटी, जिसने उनकी जिंदगी को एकाएक गहरे अंधकार में धकेल दिया था। 20 फरवरी 2012 को वह अपने पिता के साथ जयपुर से धौलपुर जा रही थी कि रास्ते में उनकी कार दुर्घटना की शिकार हो गई। उस हादसे में अवनि और उनके पिता को गहरी चोटें लगी। हालांकि पिता तो कुछ समय बाद पूरी तरह ठीक हो गए लेकिन सड़क हादसे में अवनि की रीढ़ की हड्डी टूट गई थी, जिस कारण वह करीब पांच महीने तक अस्पताल में बैड पर ही रही और इलाज के बाद भी जीवन पर्यन्त चलने-फिरने में असमर्थ हो गई। उस दर्दनाक हादसे के बाद अवनि बुरी तरह से टूट गई थी और उसने अपने आप को घर में एक कमरे में बंद कर लिया था लेकिन परिजनों ने हार नहीं मानी और लगातार उसका हौसला बढ़ाते रहे। उस दौरान अवनि अपनी पढ़ाई-लिखाई पर ही फोकस करने लगी थी लेकिन उसके पिता ने उसे खेलों में भी ध्यान लगाने को प्रेरित किया। पिता के मार्गदर्शन में जब अवनि ने अभिनव बिंद्रा की जीवनी पढ़ी तो वह इस कदर प्रभावित हुई कि खेलों के प्रति उसके मन में जोश बढ़ गया। आखिरकार एक दिन ऐसा आया, जब वर्ष 2015 में अवनि जगतपुरा स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में निशानेबाजी की ट्रेनिंग लेने के लिए पहली बार व्हील चेयर पर ही मैदान में उतरी। छोटी-सी उम्र में व्हील चेयर पर होने के बावजूद अवनि ने हार नहीं मानी और दृढ़ संकल्प की बदौलत पैरालम्पिक में वह करिश्मा कर दिखाया, जिसे कर दिखाने में सामान्य खिलाड़ियों को भी बेहद कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। खेलों के प्रति वह इस हद तक समर्पित हो गई कि अब उन्हें 'गोल्डन गर्ल' के नाम भी जाना जाता है। हालांकि वह पढ़ाई-लिखाई में भी काफी अव्वल रहती हैं तथा फिलहाल शूटिंग के साथ-साथ लॉ की पढ़ाई कर रही हैं और आगे राजस्थान सिविल सर्विस में जाना चाहती हैं। शुरुआती दौर में अवनि को व्हील चेयर चलाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा क्योंकि वह मानदंडों के मुताबिक नहीं थी, इसके अलावा बंदूक और शूटिंग किट भी उपलब्ध नहीं थी लेकिन अपने दृढ़ संकल्प के साथ वह शूटिंग में बहुत जल्द शानदार प्रदर्शन करने लगी। वर्ष 2015 में अपनी ट्रेनिंग शुरू करने के कुछ महीनों बाद ही अवनि ने राजस्थान स्टेट चैम्पियनशिप में हिस्सा लेकर स्वर्ण पदक जीतकर हर किसी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया था। मजे की बात रही कि वह चैम्पियनशिप अवनि ने अपने कोच से उनकी राइफल उधार लेकर जीती थी। 2016 में पुणे में आयोजित हुई नेशनल चैम्पियनशिप में अवनि ने कांस्य पदक अपने नाम किया। उसके बाद तो अवनि ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक के बाद एक कई पदक अपने नाम किए। 2018 में 61वीं नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप में भी अवनि ने पदक जीते थे। अपनी कड़ी मेहनत और जुनून के चलते अवनि ने 2016 से 2020 तक कुल पांच स्वर्ण पदक जीते। महिला 10 मीटर एयर राइफल स्टेडिंग एसएच1 में विश्व रैंकिंग में वह पांचवें स्थान पर आती हैं। बहरहाल, टोक्यो पैरालम्पिक में अवनि की दोहरी सफलता ने साबित कर दिया है कि भारत की बेटियां भी अपनी मेहनत और बुलंद हौसलों के बल पर बड़ी से बड़ी सफलता हासिल करने का सामर्थ्य रखती हैं। दिव्यांग होते हुए भी अवनि ने निरन्तर सघंर्ष किया और उसी का प्रतिफल है कि उन्होंने टोक्यो पैरालम्पिक में दो-दो पदक जीतकर इतिहास रच डाला। 2012 में सड़क दुर्घटना में कमर के नीचे के शरीर को लकवा मार जाने के बावजूद अवनि का गहरे अवसाद से निकलकर कड़ा संघर्ष करने, दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने और टोक्यो पैरालम्पिक में दो पदक जीतने तक का शानदार सफर हर किसी के लिए प्रेरणास्रोत है। निश्चित रूप से 19 साल की आयु में अवनि की देश को गौरवान्वित करने वाली उपलब्धियां समस्त भारतवर्ष की बेटियों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

'आज के ट्वीट

शुभकामनाएं

प्रदेश सरकार ने ढाई साल में लगभग एक लाख सरकारी नौकरियां दी है। करीब 26 हजार नियुक्तियां, कोर्ट में अच्छी पैरवी कर युवाओं के हित में फैसले करवा कर दी है। प्रदेश सरकार भर्ती परीक्षाओं को शीघ्र आयोजित करने हेतु प्रतिबद्ध है। मेरी ओर से समस्त अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं। -- मु. अशोक गहलोत

सत्कार्य

श्रीराम शर्मा आचार्य

सत्कार्य के प्रति समर्पण ही तुम्हें धरती और धरती की आत्मा की रफ्तार के साथ चल सकने की सामर्थ्य देता है, निठल्ला होना तो मौसम की बहारों के लिए अजनबी बन जाना है और जीवन की उस शोभा यात्रा से अलग-थलग हो जाना है, जो अनन्त को शानदार समर्पण करती हुई अपने समूचे ऐश्वर्य एवं आन-बान के साथ निकल रही है। कार्य करते हुए तुम वह बांसुरी बन जाते हो, जिसके हृदय से समय की सांस गुजरती है और संगीत में बदल जाती है। आखिर, तुम में से कौन है, जो गूंगा बने रहना चाहेगा, उस वक्त जब सारा संसार एक ही बांसुरी के स्वरों में शामिल हो रहा है? सत्कर्म में डूबे रहना ही सही अथरे में जिंदगी से प्यार करते रहना है। जिंदगी को कर्म के माध्यम से प्यार करना ही उसके अंतरंग रहस्यों को बारीकी से जान लेना है, किन्तु तुम अपने कष्टों से घबराकर कहने लगे कि तुम्हारा जन्म विपत्ति है तो मेरा उत्तर यही है कि तुमसे यह भी कहा गया होगा कि जीवन अंधकारमय है। मैं भी कहता हूं कि जीवन सचमुच अंधकारमय है, यदि आकांक्षा न हो। सारी आकांक्षाएं अंधी हैं, यदि ज्ञान न हो। सारा ज्ञान व्यर्थ है, यदि कर्म न हो। सारा कर्म खोखला है, यदि प्रभु-प्रेम न हो। जब तुम प्रभु प्रेम से प्रेरित होकर कर्म करते हो तो विश्व मानवता के लिए स्वयं को अर्पित करते हो क्योंकि विात्मा का साकार रूप ही तो विश्व है। प्रभु प्रेम से प्रेरित कर्म क्या होता है? अपने हृदय से खींचकर काते गए सूत से कपड़ा बुनना है, मानो स्वयं प्रभु ही पहनने वाले हों, उसे। यह इतने प्यार से भवन निर्माण करना है, मानो सग्रेर स्वयं ही रहने वाले हों वहां। इतनी कोमलता से बीज बोना और इतने आनन्दित होकर फलों का संचय करना है, मानो स्वयं प्रभु ही खाने वाले हों, वे फल। यह अपने हाथों किए गए प्रत्येक कर्म को अपनी दिव्यता की ऊर्जा से भर देना है और महसूस करना है, मानो समस्त निर्जीव सत्ताएं तुम्हारे आसपास खड़ी तुम्हारे कर्मो को निहार रही हों। पवन जो संवाद शाह बलूत सेकरता है, वह उसकी अपेक्षा अधिक मीठा नहीं होसकता, जो वह घास के तिनकों से करता है। केवल वही व्यक्ति महान है, जो अपने कर्म से पवन के स्वरों को एक गीत में बदल देता है और अपने भगवत्प्रेम से उस गीत की मिठास को प्रगाढ़ कर देता है। प्रभु प्रेम को दृष्टिगोचर बना देना ही सत्कर्म है।

पुरातन परम्पराएँ ही दे सकती हैं जीवन का आनन्द

ज्ञान चर्चा /- डॉ. दीपक आचार्य

भारतीय संस्कृति और परंपराओं में जो कुछ भी कहा गया है, पुरातन काल से अपनाया जाता रहा है, उन सभी के पीछे कोई न कोई वैज्ञानिक आधार होता है जिसे हमारे ऋषि-मुनियों ने गहन अनुसंधान के बाद ही जगत के समक्ष रखा है। इसमें कहीं कोई शंका नहीं होनी चाहिए। जीवन को स्वस्थ, सुखी और समृद्ध बनाना चाहें तो इन पुरातन परंपराओं को आत्मसात करना जरूरी है। हम सभी को एक बात यह अच्छी तरह समझ लेनी चाहिए कि श्रुति परंपरा से हमारे समाज में बुजुर्गों से जो कुछ बातें सीखने मिलती हैं उनका प्रभाव शास्त्रों से भी बढ़ कर शत-प्रतिशत कारगर होता है। आज हम इसे स्वीकारें या न स्वीकारें, यह अपनी इच्छा है। हम न भी स्वीकारें तब भी प्रकृति का कहर हमें सीख और सबक दोनों ही देने में समर्थ है। कोरोना की वजह से आए सामाजिक एवं परिवेशीय जीवन में बदलाव जैसी स्थितियां हर युग में आती रहती हैं, फिर भी हम प्रकृति के संकेतों को न समझ पाएं तो इससे बड़ी मूर्खता और प्रमाद और क्या होगा। हमारी स्पष्ट सोच होनी चाहिए कि जो ज्ञान परम्परा पूर्वजों और बुजुर्गों तथा अनुभवों से प्राप्त होता है उसके बारे में अपने सम्पर्कितों, संगी-साथियों और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना ही चाहिए, यह हमारा धर्म भी है और फर्ज भी। अपनाएं या न अपनाएं, यह उनकी इच्छा पर निर्भर है। शाश्वत सत्य और मूल्यों का पीढ़ी दर पीढ़ी संवहन होता रहना जरूरी है, अपने इस ज्ञान दान के धर्म को निभाने में विश्वास रखें। अपने ज्ञान और अनुभव वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के लिए हैं इसलिए इनकी जानकारी सार्वजनीन करने में किसी भी प्रकार की कंजूसी नहीं करनी चाहिए। हमारी रोजमर्रा की जिन्दगी में कई सारी बातें ऐसी हैं जिन्हें पुरातन परंपराओं से जोड़कर हम स्वस्थ, सुखी और समृद्ध जीवन प्राप्त कर सकते हैं। जीवन और परिवेश की विभिन्न समस्याओं और अभावों से मुक्ति पाकर आनंद के साथ जीवनयापन कर सकते हैं। इनमें से कुछ अहम् विषयों पर चर्चा यहाँ की जा रही है।

उपहारों के प्रयोग से बचें

खान-पान में पवित्रता और पुरुषार्थ होने के साथ ही जीवन में यदि स्वस्थ और सुखी रहना चाहते हैं तो अपने शरीर के सीधे संपर्क में आने वाले तमाम प्रकार के वस्त्र (खासकर अंतः वस्त्र) स्वयं के पैसों से खरीदे हुए ही पहनने चाहिएं। इसी प्रकार हाथ रूमाल भी खुद का खरीदा हुआ ही उपयोग में लाएं। इन वस्त्रों को किसी से उपहार में न लें और न उपहार में लिए गए इन वस्त्रों का उपयोग करें। ऐसा करने से शरीर पर कुप्रभाव पड़ता है तथा प्रेम संबंधों या आत्मीय संबंधों में कोई न कोई बाधा आती है, पारस्परिक प्रेम में कमी आती है। वहीं शरीर की आरोग्यता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साफ बात यह है कि जो भी कपड़े शरीर के सीधे सम्पर्क में आते हैं वे स्वयं द्वारा ही खरीदें गए हों। इससे शरीर का आभा मण्डल और सूक्ष्म शरीर भी निर्मल रहता है। अपने वस्त्र किसी और को पहनने के लिए कभी न दें, न ही किसी और के परिधान खुद पहनें। इसी प्रकार दूसरों के पहने हुए परिधान, आभूषण, जूते-चप्पल आदि का भी प्रयोग न करें क्योंकि इनमें कही न कहीं नकारात्मकता का समावेश रहता ही है, जो अपने शरीर के सम्पर्क में आकर अपने आभामण्डल की नकारात्मकता को बढ़ा देता है जिसका खामियाजा हमें किसी न किसी रूप में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भुगतना पड़ता है। होना तो यह चाहिए कि हम जिन पदार्थों के अधिकाधिक समय सीधे सम्पर्क में रहते हैं, वे अपनी कमाई से खरीदे हुए ही होने चाहिएं। अपने अंतः वस्त्रों को बाहरी लोगों की नज़र से बचाकर रखें एवं इन्हें हमेशा सुरक्षित रखें। आम तौर पर अंतः वस्त्रों पर तंत्र प्रयोग जल्दी सफल होते हैं इसलिए ज्ञात-अज्ञात शत्रु इन पर निगाह रखकर चुरा लेते हैं और फिर इन पर प्रयोग करते हुए किसी भी प्रकार से वशीकरण, आकर्षण अथवा नुकसान पहुंचाने के कर्म किए या कराए जा सकते हैं। फटे-पुराने और अनुपयोगी परिधानों को हटाने अथवा दूसरों को दें तब इससे पहले इन्हें सूंघ लें। इससे इनका कोई दुरुपयोग नहीं कर सकता। यह माना जाता है कि हम जिन व्यक्तियों या वस्तुओं के अधिकांश समय सम्पर्क में होते हैं उन पर बाहरी नकारात्मकता का प्रभाव जल्दी और अधिक होता है। यही कारण है कि कई लोगों के मोबाईल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक और भौतिक उपकरण बिना किसी असावधानी के क्षतिग्रस्त या खराब हो जाते हैं। यह सब बाहरी और कठोर नकारात्मक दृष्टि का ही असर है।

यों करें दरिद्री और सुखी की पहचान

इंसान का चाल-चलन ही उसके व्यक्तित्व का पैमाना होता है। किसी भी आदमी के पास कितनी धन-दौलत है, यह जानने के लिए उसकी चाल को देखें। चलते समय जो आदमी बूट, चप्पल या सैण्डिल जमीन पर घसीटते हुए आवाज करते हुए चलता है, उस व्यक्ति के पास पैसा कभी टिक नहीं सकता, चाहे वह कितना ही कमा ले, पैसा उसके हाथ से फिसलता रहता है और वह कभी भी पैसे वाला नहीं हो सकता। इसके उलट जो लोग हाथी की चाल चलते हैं अर्थात सलीके से पाँव रखते हुए आगे बढ़ते हैं तथा जिनके चलते समय बूट-चप्पल किसी भी प्रकार से आवाज नहीं करते, उनके पास धन-दौलत और लक्ष्मी खूब रहती है। इन लोगों में गांभीर्य और धैर्य भी होता है। जो लोग अपनी चाल में बदलाव ले आते हैं, जूते-चप्पलों को जमीन पर घिसटते हुए चलकर आवाज करने की आदत त्याग कर देते हैं उन लोगों का पिछड़ापन एक समय बाद दूर हो सकता है और पैसा उनके पास टिका रह सकता है। यह भी तथ्य है कि जिस तकिये पर किसी का एक बार भी बैठना हो जाता है उस तकिये को सिरहाने रखने से उस रात नींद नहीं आएगी और सवेरे मन-शरीर भारी-भारी रहेगा या बुरे स्वप्न आएंगे। बुजुर्गों का यह भी कहना है कि कभी भी तकिये पर बैठना नहीं चाहिए, इससे व्यक्ति कर्जदार हो जाता है। अपनी छोटी-छोटी आदतों में सुधार लाकर हम जीवन को आनंददायी बना सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष अर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पारिवारिक उत्सव में हिस्सेदारी लेंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अपने सामान की सुरक्षा के प्रति सचेत रहें। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कर्क व्यावसायिक क्षेत्र में व्यवधान आ सकते हैं। भारी व्यय की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के कारण चिंतित रहेंगे।

सिंह आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। आर्थिक उन्नति के योग हैं। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला व्यावसायिक क्षेत्र में व्यवधान आ सकते हैं। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ सकता है। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। नए अनुबंध मिलेंगे। नेत्र विकार के प्रति सचेत रहें। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

धनु व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आपके पराक्रम तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

मीन राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

गूगल फिट ऐप को एंड्रॉइड पर 10 करोड़ बार किया गया इंस्टॉल

सैन फ्रांसिस्को।

हेल्थ-ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म गूगल फिट ऐप को लॉन्च किए जाने के बाद अभी तक एंड्रॉइड प्लेटफॉर्म पर 10 करोड़ से ज्यादा बार इंस्टॉल किया गया है।9 टू 5 गूगल की रिपोर्ट के अनुसार, ऐप को मूल रूप से 2014 में स्टेप्स, हार्ट रेट और वर्कआउट को ट्रैक करने के रूप में लॉन्च किया गया था। ऐप को 2018 में पूर्ण ओवरहाल प्राप्त हुआ जिसने इसे अधिक डेटा इक्ठ्ठा करने की अनुमति दी। एंड्रॉइड पुलिस के अनुसार, गूगल फिट 5 करोड़ तक पहुंचने के लगभग दो साल बाद प्ले स्टोर पर 10 करोड़ डाउनलोड को मील का पत्थर मान रहा है। टेक दिग्गज ने पिछले कुछ वर्षों में काफी प्रभावशाली विशेषताएं जोड़ी हैं। वियरेबल्स के माध्यम से वर्कआउट, स्टेप्स और हृदय गति को ट्रैक करने जैसी मूलभूत बातों के साथ, कंपनी ने हाल ही में आपके पिक्सेल फोन के कैमरे के अलावा कुछ भी उपयोग करके हृदय गति और श्वसन दर को मापने का एक विकल्प पेश किया है। जून में, गूगल ने पेस्ड वॉकिंग नामक एक नई सुविधा शुरू की,

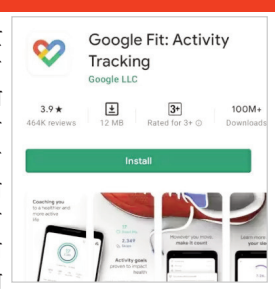

जो उपयोगकर्ताओं को उनके सर्वोत्तम स्वास्थ्य लाभों के लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेगी, ताकि उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए ऑडियो बीट हो। गूगल फिट पर उपलब्ध, पेस्ड वॉकिंग सुविधा उपयोगकर्ताओं को पसंदीदा चलने की गति खोजने में मदद करेगी। एक ऐसी गति जो स्वाभाविक लगती है और उस गति को बढ़ाने से साइकिल की सवारी करने के समान स्वास्थ्य लाभ होते हैं।

रुपया 32 पैसे टूटकर 73.42 रुपये प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई,

घरेलू शेयर बाजार में कमजोरी के रुख तथा विदेशी बाजारों में डॉलर मजबूत होने से अंतर बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 32 पैसे लुढ़ककर 73.42 रुपये प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि रुपये में गिरावट, अन्य एशियाई मुद्राओं में आई गिरावट के अनुरूप थी। अंतर बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में कारोबार की शुरुआत में रुपया 73.12 पर खुला। दिन के कारोबार के दौरान यह 73.44 रुपये प्रति डालर तक नीचे चला गया। रुपया अंत में पिछले कारोबारी सत्र के बंद भाव की तुलना में 32 पैसे लुढ़ककर 73.42 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। सोमवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 73.10 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.22 प्रतिशत बढ़कर 92.23 हो गया। वैश्विक मानक ब्रेंट कच्चा तेल वायदा भाव 0.01 प्रतिशत घटकर 72.21 डॉलर प्रति बैरल रह गया।

1 नवंबर से कई एंड्रॉएड और आईओएस फोन में नहीं चल पाएगा व्हाट्सएप

नई दिल्ली। व्हाट्सएप 1 नवंबर से कुछ आईफोन और एंड्रॉइड स्मार्टफोन के लिए काम करना बंद कर देगा। लोकप्रिय इंस्टेंट मैसेजिंग ऐप ने बताया है कि व्हाट्सएप 1 नवंबर से कई पुराने मॉडल के स्मार्टफोन्स पर काम नहीं करेगा। व्हाट्सएप एफएक्यू सेक्शन की जानकारी के अनुसार, 1 नवंबर से फेसबुक के स्वामित्व वाला टेक्स्टिंग प्लेटफॉर्म एंड्रॉएड 4.0.3 आइसक्रीम सैंडविच, आईओएस 9 और काईओएस 2.5.0 पर चलने वाले सिस्टम को सपोर्ट करना बंद कर देगा। व्हाट्सएप द्वारा जारी एंड्रॉएड फोन की सूची में सैमसंग, एलजी, जेडटीई, हुआवे, सोनी, अल्काटेल और अन्य ब्रांड के स्मार्टफोन शामिल हैं। ये सभी फोन व्हाट्सएप से सपोर्ट प्राप्त नहीं कर पाएंगे और ऐप के साथ काम करने में अक्षम होंगे। यह जांचने के लिए कि आईफोन किस ओएस पर चल रहा है, यूजर्स सेटिंग्स मेनू पर जा सकते हैं, फिर जनरल और इंफोर्मेशन विकल्प पर जा सकते हैं और फिर सॉफ्टवेयर पर जाया जा सकता है, जहां वे आईफोन के ओएस को जान सकेंगे। वहीं एंड्रॉएड यूजर्स सेटिंग में जाकर अबाउट फोन के विकल्प को चुनते हुए यह देख सकते हैं कि उनका स्मार्टफोन किस एंड्रॉएड वर्जन पर चल रहा है। एक नई सुविधा शुरू करने के बाद, जिसने यूजर्स को सात दिनों के बाद गायब (मैसेज नहीं दिखना) होने वाले संदेश भेजने की अनुमति दी है, फेसबुक के स्वामित्व वाला व्हाट्सएप अब एक समान अपडेट पर काम कर रहा है, जिसमें संदेश 90 दिनों के बाद गायब हो जाएंगे। इससे पहले, लोकप्रिय मैसेजिंग एप्लिकेशन ने कहा था कि यह उन संदेशों को देखने पर काम कर रहा है जो केवल एक बार देखे जाने के बाद हमेशा के लिए गायब हो जाएंगे।

यस बैंक की ओर से अपने निदेशकों को हटाने की मांग के बावजूद डिश टीवी के शेयरों में उछाल

मुंबई। डिश टीवी इंडिया के शेयरों में मंगलवार को उछाल आया है, जबकि कंपनी के एक महत्वपूर्ण शेयरधारक यस बैंक ने कथित कॉरपोरेट कुशासन को लेकर कंपनी के प्रबंध निदेशक सहित कंपनी के निदेशकों को हटाने की मांग की थी। कंपनी के ऋणदाता में 25.63 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले बैंक ने 3 सितंबर, 2021 को डिश टीवी को एक विशेष नोटिस भेजा था, जिसमें कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 169 के तहत निदेशकों को हटाने की मांग की गई थी। दोपहर करीब 12 बजे, बीएसई पर डिश टीवी इंडिया के शेयर 15.31 रुपये पर रहे, जो पिछले बंद से 1.53 रुपये या 11.10 प्रतिशत अधिक है। सोमवार को कंपनी ने कहा कि वह सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्रस्तावित नए निदेशकों की उम्मीदवारी को मंजूरी देने के लिए उठाए जाने वाले कदमों सहित इस तरह के अनुमोदन के लिए विशेष नोटिस की जांच कर रही है, क्योंकि इसकी पूर्व स्वीकृति एक अनिवार्य आवश्यकता है। इसने रश्मि अग्रवाल, शंकर अग्रवाल, अशोक मथाई कुरियन और भगवान दास नारंग को निदेशक मंडल से हटाने की मांग की गई है। इसके अलावा, इसने कंपनी के प्रबंध निदेशक के रूप में जवाहर लाल गोयल को हटाने की भी मांग की है। यस बैंक ने कहा कि बोर्ड से हटाए जाने के बाद, जवाहर लाल गोयल कंपनी के अध्यक्ष नहीं रहेंगे। बैंक ने कहा कि कंपनी के वर्तमान निदेशक मंडल ने राइट्स इश्यू प्रक्रिया को मंजूरी दे दी है, बैंक द्वारा बार-बार बोर्ड के पास लंबित आपत्तियां, पूरी तरह से बैंक की शेयरधारिता को कमजोर करने और बैंक के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए जो आज तक कंपनी का सबसे बड़ा शेयरधारक है। इसने कहा, बोर्ड अच्छे कॉरपोरेट गवर्नेंस मानकों के अनुरूप काम नहीं कर रहा है और कंपनी के मौजूदा महत्वपूर्ण शेयरधारकों का कंपनी में लगभग 45 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले विभिन्न बैंकों और वित्तीय संस्थानों का उचित प्रतिनिधित्व नहीं है। यस बैंक ने कहा कि बोर्ड कथित तौर पर कुछ अल्पसंख्यक शेयरधारकों के इशारे पर काम कर रहा है, जिनके पास कंपनी में केवल 6 प्रतिशत शेयर हैं।

कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर, भारतीय कंपनियां 2022 में बढ़ाएंगी 9.4 प्रतिशत सैलरी

बिजनेस डेस्क: कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर के झटके के बावजूद भारतीय कंपनियों ने जबर्दस्त जुझारू क्षमता का प्रदर्शन किया है। एक सर्वे में कहा गया है कि महामारी के झटके के बावजूद भारतीय कंपनियां इस साल अपने कर्मचारियों के वेतन में औसतन 8.8 प्रतिशत की वृद्धि करेंगी। वहीं अगले साल यानी 2022 में वेतन वृद्धि 9.4 प्रतिशत रहेगी। एऑन के मंगलवार को जारी 26वें वार्षिक वेतन वृद्धि सर्वे के अनुसार, 2022 को लेकर ज्यादातर कंपनियां आशान्वित हैं। अगले साल 98.9 प्रतिशत कंपनियां अपने कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी करेंगी। वहीं 2021 में 97.5 प्रतिशत कंपनियों ने कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने की बात कही है। सर्वे में कहा गया है कि विभिन्न क्षेत्रों की धारणा सकारात्मक है और भारतीय कंपनियां पुनरुद्धार की राह पर हैं। ज्यादातर कंपनियों का मानना है कि 2021-22 में वेतन वृद्धि 2018-19 के स्तर पर पहुंच जाएगी। एऑन के मानव पूंजी कारोबार में भागीदार रूपंक चौधरी ने कहा, ''यह वित्तीय सेहत और अर्थव्यवस्था में तेजी का मजबूत संकेत है। स्पष्ट रूप से चीजें बेहतर हो रही हैं। 2020 में वेतन वृद्धि 6.1 प्रतिशत रही थी। 2021 में इसके 8.8 प्रतिशत तथा 2022 में 9.4 प्रतिशत पर पहुंचने की उम्मीद है। यह 2018 और 2019 के महामारी-पूर्व के स्तर के बराबर होगा। सर्वे में कहा गया है कि महामारी की वजह से कंपनियों की डिजिटल यात्रा तेज हुई है और इससे लघु अवधि में डिजिटल प्रतिभाओं के लिए 'जंग' छिड़ी है। इससे वेतन बजट बढ़ रहा है और साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी बदलने वालों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। चौधरी ने कहा कि कंपनियों को अपनी प्रतिभा रणनीति को नए सिरे से परिभाषित करना होगा जिससे वे इस 'जंग' में टिकी रह सकेंगी।

सेंसेक्स, निफ्टी मामूली गिरावट के साथ बंद, आईटी, औषधि कंपनियों के शेयरों में बिकवाली

मुंबई,

शेयर बाजार मंगलवार को एक बार फिर कारोबार के दौरान रिकार्ड स्तर पर पहुंच गये लेकिन अंत में आईटी, औषधि और बैंक शेयरों में उच्च स्तर पर हुई मुनाफावसूली से बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। कारोबारियों के अनुसार अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर में 32 पैसे की बड़ी गिरावट से भी धारणा प्रभावित हुई। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स में पिछले तीन दिन से जारी तेजी पर विराम लगा और यह 17.43 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 58,279.48 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 58,553.07 अंक के रिकार्ड स्तर तक चला गया था। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 15.70 अंक यानी 0.09 प्रतिशत टूटकर 17,362.10 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह रिकार्ड 17,436.50 अंक तक चला गया था। सेंसेक्स के शेयरों में 1.81 प्रतिशत की गिरावट के साथ सर्वाधिक नुकसान में सन फार्मा का शेयर रहा। इसके अलावा, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक, इन्फोसिस, टीसीएस और एल एंड टी में भी गिरावट रही। दूसरी तरफ, 2.56 प्रतिशत की तेजी के साथ सर्वाधिक लाभ में एचडीएफसी का शेयर रहा। भारती एयरटेल, इंडसइंड बैंक, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, नेस्ले इंडिया और एशियन पेंट्स भी प्रमुख रूप से लाभ में रहें। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''घरेलू बाजार में उतार-चढ़ाव रहा। इसका कारण निवेशकों ने हाल की तेजी के बाद मुनाफावसूली को तरजीह दी। हालांकि बाजार में उन क्षेत्रों में तेजी रही, जो पाबंदियों में ढील से लाभान्वित होने वाले हैं।'' उन्होंने कहा, ''यूरोपीय बैंक की बृहस्पतिवार को मौद्रिक नीति समीक्षा से पहले यूरोप के प्रमुख बाजारों में गिरावट का रुख रहा। बैठक में यूरो क्षेत्र में बढ़ती मुद्रास्फीति को देखते हुए बांड खरीद कार्यक्रम में कमी के बारे में बातचीत की संभावना है।'' रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के शोध मामलों के उपाध्यक्ष अजीत मिश्रा ने कहा कि घरेलू बाजार में किसी महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधि के अभाव में वैश्विक रूप से बाजार की चाल तय होगी। उन्होंने कहा, ''बाजार में कुछ गिरावट आ सकती हैं या मुनाफावसूली की जा सकती है। ऐसे में शेयरों के चयन में सतर्क रहने की सलाह है। सूचकांक के मामले में निफ्टी को 17,200 से 17,250 के स्तर पर समर्थन है।''

क्षेत्रवार बीएसई रियल्टी, आईटी, जन केंद्रित सेवाएं, तेल एवं गैस तथा बिजली सूचकांक 2.24 प्रतिशत तक नीचे आये। वहीं दूरसंचार, टिकाऊ उपभोक्ता सामान, दैनिक उपयोग के सामान और ऊर्जा क्षेत्र से संबद्ध सूचकांक लाभ में रहें। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांक 0.73 प्रतिशत नीचे आये। वैन्रश्विक मोर्चे पर चीन में अगस्त महीने का निर्यात आंकड़ा बेहतर रहने से एशियाई शेयर बाजारों में तेजी रही। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, तोक्यो और हांगकांग लाभ में रहे जबकि सियोल में गिरावट रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरूआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.54 प्रतिशत मजबूत होकर 72.61 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की विनिमय दर 32 पैसे लुढ़क कर 73.42 रुपये प्रति डालर पर पहुंच गयी। शेयर बाजार में उपलब्ध आंकड़े के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशक सोमवार को पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे।

सरकार से विवाद खत्म करेगी Cairn, ब्रिटिश कंपनी को एक अरब डॉलर का ऑफर मंजूर

बिजनेस डेस्क:

ब्रिटेन की केयर्न एनर्जी पी.एल.सी. ने फ्रांस से लेकर अमरीका में भारतीय संपत्तियों को जब्त करने से संबंधित मामलों को वापस लेने की घोषणा की है। भारत सरकार ने पिछली तारीख से कर कानून को समाप्त करने की घोषणा की है। इसके बाद केयर्न ने भारत सरकार की एक अरब डॉलर की राशि वापस करने का ऑफर मंजूर कर लिया है। केयर्न ने कहा है कि वह एक अरब डॉलर का रिफंड मिलने के एकाध दिन बाद ही मुकद्दमों को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू करेगी। कंपनी ने 2012 की नीति को रद्द करने के सरकार के फैसले को साहसी करार दिया है। पिछले महीने एक कानून के जरिए 2012 की इस नीति को रद्द कर दिया गया। इस कानून के तहत आयकर विभाग को 50 साल तक पुराने ऐसे मामलों में पूंजीगत लाभ कर लगाने का अधिकार था जिसमें स्वामित्व में बदलाव तो विदेश में हुआ है, लेकिन कारोबारी परिसंपत्तियां भारत में ही हैं। केयर्न को देश में जमीनी क्षेत्र में सबसे बड़ी तेल खोज का श्रेय जाता है। केयर्न के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सी.ई.ओ.) साइमन थॉमसन ने लंदन से एक साक्षात्कार में कहा कि सभी मामलों को वापस लेने और पिछली तारीख से कर मांग के प्रवर्तन के लिए जब्त राशि को लौटाने की पेशकश हमें स्वीकार है। केयर्न पैरिस में अपार्टमैंट तथा अमरीका में एयर इंडिया के विमानों को जब्त करने के मामलों को रिफंड मिलने के कुछ ही दिन बाद वापस लेगी। उन्होंने यह भी कहा कि केयर्न के शेयरधारक भी इस पेशकश को स्वीकार करने और आगे बढ़ने के पक्ष में हैं। थॉमसन ने कहा, ''हमारे प्रमुख शेयरधारक...ब्लैकरॉक और फ्रैंकलिन टैंपलटन इस ऑफर को स्वीकार करने के पक्ष में हैं। हमारे विचार को हमारे प्रमुख शेयरधारकों का समर्थन है। पीछे के बारे में सोचने के बजाय हम आगे बढ़ने के पक्ष में हैं। हम ऐसी चीज पर टिके नहीं रहना चाहते जो सभी के लिए नकारात्मक हो।

सरकार ने पिछले महीने लागू किया नया कानून

भारत की निवेश गंतव्य के रूप में छवि को ठीक करने के लिए सरकार ने पिछले महीने नया कानून लागू करते हुए कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों मसलन वोडाफोन, फार्मास्यूटिकल्स कंपनी सनोफी, केयर्न और साबमिलर आदि के खिलाफ 1.1 लाख करोड़ रुपए की कर मांग को छोड़ने का फैसला किया था। यदि ये कंपनियां भारत के खिलाफ मामलों को वापस लेने पर सहमत हो जाती हैं, तो रद्द कर प्रावधान के तहत इनसे जुटाए गए 8,100 करोड़ रुपए वापस कर दिए जाएंगे। इनमें ब्याज और जुर्माना शामिल है। इनमें से 7,900

करोड़ रुपए अकेले केयर्न के बकाया हैं।

सभी मामले वापस लिए जाएंगे

थॉमसन ने कहा कि एक बार अंतिम निपटान के बाद हम कुछ ही दिन में सभी मामले वापस ले लेंगे। हम समाधान को तेजी से करना चाहते हैं। सभी मामले वापस लिए जाएंगे और पिछली चीजों को छोड़ दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''सब कुछ वापस लिया जाएगा। कोई मामला कायम नहीं रहेगा। इससे पूरा मामला निपट जाएगा। केयर्न ने मंगलवार को छमाही रिपोर्ट में कहा कि वह भारत सरकार से प्राप्त 7,900 करोड़ रुपए या 1.06 अरब डॉलर में से 70 करोड़ डॉलर शेयरधारकों को विशेष लाभांश या पुनर्खरीद के जरिए वापस लौटाएगी।

दूरसंचार उद्योग के सामने गंभीर वित्तीय संकट, सरकार से समर्थन की उम्मीद: वोडाफोन आइडिया

बिजनेस डेस्क:

संकट में फंसी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने अपनी ताजा वार्षिक रिपोर्ट में उद्योग के वित्तीय संकट पर चिंता जताई है। कंपनी ने कहा है कि उद्योग के टिकने के लिए इस संकट का हल जरूरी है। इसके साथ ही कंपनी ने उम्मीद जताई है कि सरकार क्षेत्र के सभी 'संरचनात्मक मुद्दों को हल करने के लिए आवश्यक समर्थन उपलब्ध कराएगी। कंपनी ने चेयरमैन हिमांशु कपानिया ने शेयरधारकों को संबोधित पत्र में परिचालन में जारी चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा है कि बीते वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान कीमतें बाजार में टिकने योग्य नहीं थीं। इसके अलावा अत्यधिक प्रतिस्पर्धा की भी चुनौती थी। कपानिया ने उम्मीद जताई कि सरकार उद्योग को भारी-भरकम निवेश पर उचित प्रतिफल के लिए समर्थन उपलब्ध कराएगी। कुमार मंगलम बिड़ला द्वारा अगस्त की शुरुआत में इस्तीफा दिए जाने के बाद वीआईएल के निदेशक मंडल ने कपानिया को गैर कार्यकारी चेयरमैन चुना था। कपानिया ने कहा कि उद्योग लगातार वित्तीय संकट में है। ''आपकी कंपनी को उम्मीद है कि सरकार उद्योग के समक्ष सभी संरचनात्मक मुद्दों के हल के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा, ''वीआईएल देश में 25 साल से मोबाइल सेवाएं उपलब्ध करा रही है। कंपनी को उम्मीद है कि सरकार उनके भारी-भरकम निवेश पर उचित रिटर्न के लिए समर्थन उपलब्ध कराएगी। कपानिया ने कहा कि 2020-21 में जरूरत से ज्यादा प्रतिस्पर्धा तथा गैर-टिकाऊ कीमतों की वजह से परिचालन का माहौल चुनौतीपूर्ण बना रहा। उन्होंने कहा कि परिचालन की चुनौतियां तो कायम हैं, लेकिन डिजिटल पहुंच बढ़ने की वजह से दूरसंचार उद्योग के समक्ष जबर्दस्त अवसर हैं। महामारी के दौरान डिजिटल की मांग और बढ़ी है। कपानिया ने कहा, ''हमारा मानना है कि सरकार निजी क्षेत्र के ऑपरेटरों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को कायम रखने के लिए कदम उठाएगी।

अमेजन ने ई-कॉमर्स निर्यात बढ़ाने के लिए गुजरात सरकार के साथ समझौता किया

नयी दिल्ली

अमेजन इंडिया ने मंगलवार को कहा कि उसने गुजरात से ई-कॉमर्स निर्यात बढ़ाने में मदद के लिए राज्य सरकार के उद्योग एवं खान विभाग के साथ एक समझौता किया है। अमेजन ने एक बयान में कहा कि एमओयू (सहमति पत्र) के तहत कंपनी राज्य के एमएसएमई को अमेजन ग्लोबल सेलिंग पर प्रशिक्षित करेगी, जिससे वे 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों में करोड़ों अमेजन ग्राहकों को अपने उत्पाद बेच सकेंगे। अमेजन ग्लोबल सेलिंग कंपनियों को उसके ई-कॉमर्स मंच का उपयोग करके वैश्विक स्तर पर अपने ब्रांड पेश करने में मदद करता है। बयान में कहा गया कि अमेजन अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, भरूच और राजकोट जैसे शहरों के छोटे तथा मझोले निर्यातकों के लिए प्रशिक्षण, वेबिनार और ऑनबोर्डिंग कार्यशालाएं आयोजित करेगा। अमेजन ने कहा कि इस पहल के जरिए गुजरात के निर्यातों को उसके 17 विदेशी बाजारों के माध्यम से दुनिया भर में 30 करोड़ से अधिक ग्राहकों तक पहुंच मिलेगी। बयान में गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपानी के हवाले से कहा गया, ''गुजरात में रत्न और आभूषण, पिधान और वस्त्र तथा हस्तशिल्प क्षेत्र ऐसे हैं, जहां लाखों एमएसएमई काम कर रहे हैं। हमारी प्राथमिकताओं में गुजरात से निर्यात को बढ़ावा देना शामिल है और अमेजन के साथ इस साझेदारी के जरिए हम गुजरात में लाखों एमएसएमई को सशक्त बनाना चाहते हैं।''

अमेजन इंडिया के निदेशक (वैश्विक व्यापार) अभिजीत कामरा ने कहा कि अमेजन ग्लोबल सेलिंग कार्यक्रम ने पहले ही 70,000 से अधिक भारतीय निर्यातकों को सक्षम बनाया है, जिसका कुल निर्यात तीन अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है।

आईपीपीबी ने एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस से हाथ मिलाया, आवास ऋण उत्पादों की बिक्री करेगा

नयी दिल्ली.

इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) ने एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस (एलआईसीएचएफएल) से हाथ मिलाया है। इसके तहत आईपीपीबी द्वारा उसके 4.5 करोड़ ग्राहकों को एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस के आवास वित्त उत्पादों की बिक्री की जाएगी।

एक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। अपने मजबूत और बड़े 650 शाखाओं के नेटवर्क और 1,36,000 बैंकिंग पहुंच केन्द्रों के व्यापक नेटवर्क के जरिये आईपीपीबी अखिल भारतीय स्तर पर एलआईसीएचएफएल के आवास ऋण उत्पाद ग्राहकों को उपलब्ध कराएगा। बयान में कहा गया है कि एलआईसीएचएफएल के साथ गठजोड़ आईपीपीबी की अपने उत्पादों तथा सेवाओं की पहुंच का विस्तार करने की रणनीति का हिस्सा है। इस गठजोड़ के जरिये आईपीपीबी देशभर में विशेषरूप से बैंकिंग सुविधाओं से वंचित या कम सेवाओं वाले क्षेत्रों के विविध ग्राहकों की बैंकिंग और वित्तीय जरूरतों को पूरा करेगा। आईपीपीबी पहले ही बीमा कंपनियों के साथ भागीदारी में साधारण बीमा और जीवन बीमा उत्पादों का वितरण कर रहा है।

बयान में कहा गया है कि आईपीपीबी का दो लाख डाककर्मियों (डाकिया और ग्रामीण डाक सेवक) का नेटवर्क है। इन कर्मचारियों के पास माइक्रो एटीएम और बायोमीट्रिक उपकरण होता है जिनके जरिये ये घर के दरवाजे पर बैंकिंग सेवाओं की जरूरतों को पूरा करते हैं।

चिप की बढ़ती कीमतें 2022 तक जारी रहने की उम्मीद: रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को।

चिप्स और उपकरणों की कीमतें 2022 तक बढ़ने की राह पर हैं, क्योंकि दुनिया के सबसे बड़े अनुबंधित चिप निर्माता प्रोडक्शन की फीस बढ़ा रहे हैं, जिसका असर एप्पल और उसके चिपमेकर टीएसएमसी पर पड़ सकता है।

9 टू 5 मैक की रिपोर्ट के अनुसार, टीएसएमसी, एप्पल, एनवीडिया और क्वॉलकाम के लिए चिप्स बनाती है, जिसका हमेशा उत्पादन शुल्क अपने प्रतिद्वंद्वी से लगभग 20 प्रतिशत अधिक होता है। लेकिन सेमीकंडक्टर की कमी के साथ, इसके कुछ प्रतियोगी पहले से ही निक्केई एशिया का हवाला देते हुए टीएसएमसी से ज्यादा शुल्क लेते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब, कंपनी एक दशक में अपनी सबसे बड़ी कीमतों में बढ़ोतरी की तैयारी कर रही है, जो बहुत सारे तकनीकी व्यवसायों को प्रभावित कर सकती है। उद्योग के सूत्रों ने निक्केई एशिया को बताया कि टीएसएमसी तथाकथित डबल-बुकिंग को समाप्त करने का इच्छुक है, जिसमें ग्राहक उत्पादन लाइन स्थान हासिल करने और वैश्विक आपूर्ति संकट के बीच अनुबंध चिपमेकर्स से समर्थन की उम्मीद में जरूरत से ज्यादा चिप्स के लिए ऑर्डर देते हैं। बदले में, इसने टीएसएमसी के लिए वास्तविक मांग की तस्वीर को समझना मुश्किल बना दिया है। काउंटरपॉइंट रिसर्च ने कहा कि चिप्स की बढ़ती कीमत स्मार्टफोन निर्माताओं की व्यावसायिक रणनीतियों को भी प्रभावित कर सकती है।पिछले महीने, डिजीटाइम्स की एक पेवॉल्ड रिपोर्ट ने सुझाव दिया कि एप्पल को अपनी ए-सीरीज और एम-सीरीज चिप्स के लिए

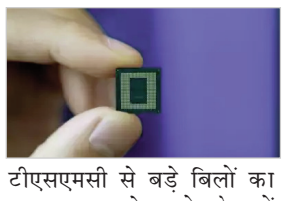

टीएसएमसी से बड़े बिलों का सामना करना पड़ेगा।उद्योग के सूत्रों के अनुसार, टीएसएमसी उन्नत सब-7 एनएम प्रोसेस तकनीकों सहित अपने उद्धरणों को बढ़ाने के लिए तैयार है, जिसके परिणामस्वरूप एप्पल और अन्य प्रमुख ग्राहकों को अधिक विनिर्माण लागत का सामना करना पड़ेगा।

50 साल बाद मिली ओवल के मैदान पर जीत...

भारत ने चौथा टेस्ट 157 रनों से जीता, इंग्लैंड पर सीरीज में ली 2-1 की बढ़त

लंदन (एजेंसी)।

लगता है लंदन भारत के लिए भाग्यशाली है। लॉर्ड्स में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद भारत को तीसरे टेस्ट में हेडिंग्ले की पारी की हार का कड़वा घूंट पीना पड़ा था लेकिन ओवल में चौथे टेस्ट में इंग्लैंड को हराकर यह साबित हो गया की टीम इंडिया को लंदन काफी भाया है। चायकाल के बाद भारत के लिए मैच में सिर्फ औपचारिकता ही बची थी। इंग्लैंड के ऑलराउंडर ओवरटन और ओली रॉबिन्सन क्रीज पर थे लेकिन मेजबान टीम 8 विकेट गंवा चुकी थी और एक पूरा सत्र पड़ा था।

जब लॉर्ड्स में ही इंग्लैंड की टीम 2 सत्र में सिमट गई थी तो फिर अंतिम सत्र में गेंदबाजों से उम्मीदें लगाना बेमानी थी।इंग्लैंड को अंतिम सत्र में जीत के लिए 175 रन जबकि भारत को दो विकेट की दरकार थी।अंतिम सत्र में उमेश ने क्रेग ओवरटन (10) को बोल्ड किया। उमेश की गेंद ओवरटन की कोहनी से टकराकर विकेटों में समा गई। उमेश ने इसके बाद जेम्स एंडरसन (02) को पंत के हाथों कैच कराके भारत की जीत सुनिश्चित की। इंग्लैंड ने सुबह के सत्र में 27 ओवर में दो विकेट गंवाकर 54 रन बनाए जबकि दूसरे सत्र में 25.1 ओवर में 62 रन पर छह विकेट गंवाए। उमेश यादव ने 60 रन देकर तीन विकेट,जसप्रीत बुमराह ने 27 रन देकर दो विकेट, शार्दुल ठाकुर ने 22 रन पर दो विकेट और लेफ्ट आर्म स्पिनर रवींद्र जडेजा ने 50 रन पर दो विकेट लिए। सलामी बल्लेबाजों हसीब हमीद (62) और रोरी बर्न्स (50) ने पहले विकेट के लिए 100 रन जोड़े लेकिन इस साझेदारी के टूटने के बाद भारतीय

गेंदबाजों का दबदबा देखने को मिला। जडेजा ने दूसरे सत्र में भारत को शानदार शुरुआत दिलाई जब उन्होंने सत्र के तीसरे ओवर में ही हमीद को बोल्ड कर दिया। हमीद ने लेग स्टंप पर पिच हुई गेंद को छोड़ दिया जिसने टर्न लेते हुए उनका आफ स्टंप उखाड़ दिया। हमीद ने 193 गेंद की अपनी पारी में छह चौके जड़े। बुमराह इसके बाद तेजी से अंदर आती गेंद पर ओली पोप (02) को बोल्ड करके टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 100 विकेट पूरे करने वाले भारतीय तेज गेंदबाज बने। बुमराह ने अपने 24वें टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल करते हुए पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव को पीछे छोड़ा जिन्होंने 25 टेस्ट में यह आंकड़ा छुआ था। बुमराह ने अपने अगले ओवर में जॉनी बेयरस्टो (00) भी यॉर्कर पर बोल्ड किया। अगले ओवर में जडेजा ने मोईन अली (00) को स्थानापन्न खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव के हाथों शॉर्ट लेग पर कैच कराके इंग्लैंड का स्कोर दो विकेट पर 141 रन से छह विकेट पर 147 रन किया। रूट और क्रिस वोक्स ने इसके बाद 12 से अधिक ओवर तक भारतीय गेंदबाजों को सफलता हासिल नहीं करने दी। कोहली ने 80 ओवर के बाद नई गेंद नहीं लेने का फैसला किया और पुरानी गेंद ठाकुर को थमा दी। स्पैल में वापसी कर रहे ठाकुर की पहली गेंद को ही रूट विकेट पर खेल गए। रूट ने 78 गेंद में तीन चौकों की मदद से 36 रन बनाए। अजिंक्य रहाणे ने बुमराह की गेंद पर क्रेग ओवरटन का कैच टपकाया लेकिन उमेश ने चाय से पहले अंतिम ओवर के लिए स्पैल में वापसी करते हुए पहली ही गेंद पर वोक्स (18) को शॉर्ट मिडविकेट पर लोकेश राहुल के हाथों कैच करा दिया। इंग्लैंड ने दिन की शुरुआत बिना विकेट खोए 77 रन से की। उमेश यादव और जसप्रीत बुमराह की तेज गेंदबाजी जोड़ी ने भारत के आक्रमण की शुरुआत की। हमीद और बर्न्स ने पहले आधे घंटे में भारतीय गेंदबाजों को सफलता से महरूम रखा। दोनों बल्लेबाजों ने सतर्क होकर बल्लेबाजी की लेकिन खराब गेंद को सबक भी सिखाया। बर्न्स ने उमेश पर दो चौके जड़े। कप्तान विराट कोहली ने इसके बाद गेंद शार्दुल ठाकुर को थमाई और बर्न्स ने उन पर चौका और फिर दो रन के साथ 124 गेंद में अर्धशतक पूरा किया और साथ ही टीम का स्कोर 100 रन तक पहुंचाया। बर्न्स हालांकि ठाकुर की अगली गेंद पर विकेटकीपर ऋषभ पंत को कैच देकर पवेलियन लौट गए। उन्होंने 125 गेंद में पांच चौकों की मदद से 50 रन बनाए। हमीद ने भी रविंद्र जडेजा की गेंद पर तीन रन के साथ 123 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। हमीद 55 रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जबकि जडेजा की गेंद पर मिड आन पर मोहम्मद सिराज ने उनका आसान कैच टपका दिया। डेविड मलान को हालांकि क्रीज पर जूझना पड़ रहा था और वह अंततः पांच रन बनाकर रन आउट हो गए। हमीद ने जडेजा की गेंद को कवर में खेला और एक रन के लिए दौड़ पड़े। मलान के क्रीज पर पहुंचने से पहले ही पंत ने मयंक अग्रवाल के सटीक थ्रो पर स्टंप उखाड़ दिए।

यूएस ओपनः आंद्रेस्कू को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं सकारी

लंदन (एजेंसी)।

न्यूयॉर्क, 7 सितम्बर (आईएएनएस)। ग्रीस की मारिया सकारी ने कनाडा की बियांका आंद्रेस्कू को हराकर यहां जारी वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

विश्व की 18वें नंबर की खिलाड़ी सकारी ने 2019 यूएस ओपन चैंपियन आंद्रेस्कू को तीन घंटे 30 मिनट तक चले मुकाबले में 6-7(2), 7-6(6), 6-3 से हराया। आंद्रेस्कू और सकारी के बीच मुकाबला स्थानीय समयानुसार देर रात दो बजकर 13 मिनट पर खत्म हुआ जो यूएस ओपन में महिला एकल वर्ग के मैच खत्म होने का ताजा रिकॉर्ड है। इससे पहले, 2016 में मैडिसन किज और एलिसन रिस्के के बीच चला मुकाबला रात एक बजकर 46 मिनट पर खत्म हुआ था। इस सीजन में आंद्रेस्कू और सकारी के बीच दूसरी बार मुकाबला हुआ। इससे पहले, दोनों खिलाड़ियों के बीच मियामी ओपन के सेमीफाइनल में मुकाबला हुआ जिसे आंद्रेस्कू ने 7-6(7), 4-6, 7-6(4) से जीता था। सकारी ने मैच में 46 विनर्स लगाए और 40 बेजां भूलें की। सकारी का सामना नंबर-4 कैरोलिना प्लिसकोवा से होगा।

बीसीसीआई ने जीत के बाद ड्रेसिंग रुम का नजारा शेयर किया

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में भारतीय टीम की शानदार जीत का जश्न मनाने का वीडियो ट्विट्र पर शेयर किया। भारतीय टीम ने मेजबान टीम को 157 रनों से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। बीसीसीआई ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, हम आपके साथ द ओवल में भारतीय टीम की शानदार जीत के बाद की कुछ अनदेखे दृश्य और प्रतिक्रियाओं को साझा कर रहे हैं। भारतीय सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कहा, हम बहुत खुश हैं, जब आप इंग्लैंड जैसी जगह पर खेल रहे हैं और आप सीरीज में 2-1 से आगे हैं इससे ज्यादा खुशी की बात नहीं हो सकती। इसी बीच तेज गेंदबाज उमेश यादव ने कहा, हम जानते थे कि पांचवे दिन पिच सपाट थी और हमें ज्यादा मेहनत करने की जरुरत थी। हमने सही लेंथ पर गेंदबाजी की क्योंकि हमें पता था कि हमें विकेट मिलने वाले है। उमेश ने प्रत्येक पारी में तीन-तीन विकेट अपने नाम किए। शार्दुल ठाकुर ने कहा, जिस दिन मुझे पता चला कि मैं यह मैच खेल रहा हूं उसी दिन से मैने योजना बनाने की शुरुआत कर दी थी। मैं टीम के जीत में अहम योगदान देना चाहता था जिससे टीम को मैच जीतने में मदद मिले। शार्दुल ने टेस्ट की दोनों पारीयों में अर्धशतक लगाया और दूसरे पारी में दो अहम विकेट भी लिए जिसमें इंग्लैंड के कप्तान जो रूट का भी विकेट शामिल था। अब दोनो टीमों के बीच मैनचेस्टर में सीरीज का अंतिम और पांचवा टेस्ट खेला जाएगा।

सचिन सर के साथ सत्र ने मेरे खेल में सुधार करने में मदद की: यशस्वी जायसवाल

दुबई। राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने मंगलवार को कहा कि वह भाग्यशाली हैं कि ओमान के खिलाफ वनडे सीरीज में मुंबई का प्रतिनिधित्व करने से पहले उन्हें महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर से बातचीत करने का मौका मिला।पिछले कई दिनों से 19 वर्षीय यशस्वी के लिए काफी कुछ अच्छा चल रहा है, पहले उन्हें उनके प्रेरणास्रोत्र महान बल्लेबाज सचिन से मिलने का मौका मिला फिर उन्होंने मुंबई की टीम को ओमान के खिलाफ वनडे सीरीज में जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। यशस्वी ने कहा, मेरे आदर्श हमेशा सचिन रहे हैं और मैं ओमान दौरे से पहले उनसे बातचीत करने के लिए वास्तव में भाग्यशाली रहा। मुझे खुशी है कि मुंबई क्रिकेट संघ ने हमारे ओमान जाने से पहले एक सत्र के लिए उन्हें आमंत्रित किया। उन्होंने कहा, मैं खुशी से झूम उठा जब मैंने पहली बार सुना कि सचिन यहां उपस्थित होने जा रहे हैं और तब मुझे उनसे लंबी बात करने का मौका मिला। उन्होंने मुझे काफी कुछ बताया जहां मैं सुधार कर सकता हूं। यशस्वी ने कहा, यह यह देखकर अच्छा लगा कि उनके जैसे दिग्गज को मेरे खेल के बारे में पता था और यह निश्चित रूप से मेरे लिए बहुत खुशी का क्षण था। मैं अपने खेल में उन चीजों को लागू करने और मैदान पर खुद के लिए बेहतर तरीके से काम करने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

महिला रैंकिंगः दीप्ति शर्मा ने टी20 रैंकिंग में एक स्थान का किया सुधार

मुंबई (एजेंसी)।

भारत की दीप्ति शर्मा आईसीसी की जारी महिलाओं की टी20 रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ ऑलराउंडर रैंकिंग में चौथे स्थान पर आ गई हैं।

न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन ऑलराउंडर खिलाड़ियों में संयुक्त रुप से इंग्लैंड की नताली स्काइवर के साथ 371 अंक लेकर शीर्ष स्थान पर आ गई हैं। स्कॉटलैंड की कैथरीन ब्राइस 327 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर हैं। दीप्ति 321 रेटिंग अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया की एलिसे पेरी (301) और वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज (292) क्रमशः पांचवें और छठे नंबर पर हैं। इनकी रैंकिंग में परिवर्तन वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर स्टेफनी टेलर के तीन स्थान खिसकर सातवें नंबर पर आने की वजह से हुआ है। श्रीलंका की चमारी अटापटु (265), बांग्लादेश की सलमा खातुन (261) और पाकिस्तान की निदा दार (258) शीर्ष-10 में शामिल हैं। सोफी ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में 50 रन बनाए जबकि 26 रन देकर दो विकेट भी लिए। इसके दम पर वह स्काइवर के साथ संयुक्त रुप से शीर्ष पर पहुंचीं। सोफी ने इसके साथ ही बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी इजाफा किया और वह पांचवें स्थान पर पहुंचीं। बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारत की शैफाली वर्मा 759 अंकों के साथ पहले और ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी 744 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर हैं। स्मृति मंधाना 716 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन 778 अंकों के साथ गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। दीप्ति शर्मा 703 अंकों के साथ छठे नंबर पर हैं जबकि पूनम यादव 670 अंक लेकर आठवें स्थान पर हैं।

मुंबई सिटी ने अनुभवी मिडफील्डर ब्राडेन इंमान के साथ करार किया

मुंबई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम मुंबई सिटी एफसी ने अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई मिडफील्डर ब्राडेन इंमान के साथ करार किया है। इंमान ने इंग्लैंड में 10 से अधिक वर्षों तक अपना फुटबॉल खेला है। वह क्रेवे एलेक्जेंड्रा, पीटरबरो यूनाइटेड और रोचडेल एएफसी जैसे क्लबों के लिए खेल चुके हैं। 29 वर्षीय मिडफील्डर 2020-21 सीजन के लिए एटीके मोहन बगान के साथ जुड़े थे और वह जनवरी के ट्रांस्फर विंडो में ओडिशा एफसी के साथ गए थे। उन्होंने आईएसएल के 2020-21 सीजन में 13 मुकाबले खेले। आईएसएल 2020-21 सीजन के खत्म होने के बाद इंमान ने ए-लीग के क्लब वेस्टर्न यूनाईटेड के साथ करार किया जहां उन्होंने पांच मैच खेले। इंमान ने कहा, मैं गत चैंपियन मुंबई सिटी एफसी के साथ जुड़कर खुश हूं। उनका एक स्पष्ट लक्ष्य और महत्वाकांक्षा है कि वे खुद को अभी कहां देखते हैं, जो ट्राफियां जीतना और एशिया के सर्वश्रेष्ठ क्लबों में से एक होना है। मेरा लक्ष्य क्लब को अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करने के लिए अपनी पूरी कोशिश करना होगा। मुख्य कोच सर्गियो लोबेरा ने कहा, हम मुंबई सिटी में इंमान जैसे अनुभवी खिलाड़ी को अपने साथ पाकर खुश हैं। वह एक गुणवत्ता वाले खिलाड़ी हैं और वह ऐसे व्यक्ति हैं जो हमारी आक्रमण इकाई को मजबूत करेगा। मैं उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।

चेन्नइयन एफसी ने मिडफील्डर निंथोई मीतेई के साथ किया तीन साल का करार

चेन्नई। चेन्नइयन एफसी (सीएफसी) ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 सीजन के लिए मिडफील्डर निंथोई मीतेई के साथ तीन साल का करार किया है। इंफाल में जन्मे फुटबॉलर निंथोई 2017 में भारत द्वारा आयोजित फीफा अंडर-17 विश्व कप में भाग लेने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। सीएफसी की सह-मालिक वीटा दानी ने कहा, हम निंथोई को अपने टीम में शामिल कर के बहुत खुश हैं। वह युवा हैं, उनके पास 24 आईएसएल मैच खेलने का अनुभव है वह आने वाले वर्षों में टीम के लिए काफी मददगार साबित होंगे। 20 वर्षीय निंथोई ने कहा, मैं इस क्लब का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। इस टीम ने बीते वर्षों में शानदार खेल दिखाया है। मैं टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए उत्सुक हूं और मैं चेन्नइयन एफसी के साथ शुरूआत करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। सीएफसी के कोच बोजिदार बैनडोविच ने कहा, निंथोई टीम में गुणवत्ता लाने वाले खिलाड़ी है जिसमें सुधार करने के लिए जगह है। हमारा लक्ष्य युवा घरेलू खिलाड़ियों को बनाना, उनके साथ काम करना और उनमें सुधार करना है क्योंकि वह हमारे भविष्य हैं। इस आईएसएल का सीजन साल के अंत में शुरू होगा।

भारत से मिली हार के बाद जो रूट ने बयां किया अपना दर्द, बुमराह को लेकर किया ऐसा कमेंट

लंदन (एजेंसी)।

भारतीय टीम ने ओवल टेस्ट में इंग्लैंड को 157 रनों से हरा दिया. इस हार से इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान जो रूट बहुत दुखी हैं. लेकिन उन्होंने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की प्रशंसा की और कहा कि बुमराह का रिवर्स स्विंग ओवर अहम मोड़ रहा, जिसने मैच भारत के पक्ष में ला दिया. रूट ने भारतीय टीम की जीत का श्रेय जसप्रीत बुमराह को ही दिया.

बता दें कि इंग्लैंड की टीम ने 61वें ओवर तक 2 विकेट पर 141 रन बना लिए थे और इंग्लैंड की टीम मैच में हावी नजर आ रही थी. लेकिन फिर

बुमराह ने ओली पॉप और जॉनी बेयरस्टो को आउट कर दिया और इंग्लैंड की टीम का मध्यक्रम ध्वस्त कर दिया. रूट ने भारतीय टीम से मिली हार के बाद कहा- बुमराह बेहतरीन गेंदबाज हैं और हमें यह स्वीकार करना होगा कि उन्होंने शानदार गेंदबाजी की. यह विश्वस्तरीय गेंदबाजी थी. अगर हम लोग भविष्य में ऐसी स्थिति में रहे तो अच्छे से मैनेज करेंगे.

जो रूट में यह भी कहा कि हम पहली पारी में बड़ी बढ़त लेने से फायदा उठा सकते थे. लेकिन हम मौके को भुना नहीं पाए. हमें 100 रन से ज्यादा की बढ़त लेनी थी और बड़ी साझेदारी करनी चाहिए थी. बता दें कि भारतीय टीम पहली पारी में 191 रन पर ढेर हो गई थी, जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम ने पहली पारी में 290 रन बनाए और भारत पर 99 रन की बढ़त बना ली. लेकिन टीम इंडिया ने दूसरी पारी में शानदार प्रदर्शन करते हुए 466 रन बनाए और इंग्लैंड को जीत के लिए 368 रन का लक्ष्य मिला. लेकिन इंग्लैंड की टीम 210 रन पर ही सिमट गई.

यूएस ओपनः जोकोविच क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

न्यूयॉर्क। विश्व के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच अमेरिका के जेनसन ब्रूक्सबी को हराकर यहां चल रहे वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। जोकोविच ने विश्व रैंकिंग में 99वें नंबर पर मौजूद ब्रूक्सबी को दो घंटे 58 मिनट तक चले मुकाबले में 1-6, 6-3, 6-2, 6-2 से हराया और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जोकोविच ने अमेरिकी के खिलाफ हेड टू हेड 11-0 की लीड ले ली है। जोकोविच ने इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन और विंबलडन का खिताब जीता है और वह कैलेंडर ईयर ग्रैंड स्लैम को पूरा करने से महज नौ सेट दूर हैं। जोकोविच का क्वार्टर फाइनल में सामना छठी सीड इटली के मातेओ बेरेटिनी से होगा। इटली के खिलाड़ी ने जर्मन क्वालीफायर ऑस्कर ओटे को चार सेटों तक चले मुकाबले में पराजित किया है। चार मैचों में यह तीसरी बार जबकि इस साल 25 ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में आठवीं बार है जब जोकोविच ने ओपनिंग सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए जीत हासिल की है। ओपन एरा में कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं कर सका है।

हम भले हीं पदक से चूक गए लेकिन महिला हॉकी का भविष्य उज्जवल है: टेटे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टोक्यो ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की मिडफील्डर सलीमा टेटे में मंगलवार को कहा कि उनकी टीम भले ही पदक से चूक गई पर आने वाले समय में महिला हॉकी का भविष्य उज्जवल है।

भारत ने ओलंपिक में दुनिया की कुछ शीर्ष टीमों को कड़ी टक्कर दी और इतिहास बनाया। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में तीन बार के ओलंपिक चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को 1-0 से हराया और अर्जेंटीना के खिलाफ अपना पहला ओलंपिक सेमीफाइनल खेला। 19 वर्षीय ने टेटे ने कहा, टोक्यो में जब हम कांस्य पदक के मैच में ग्रेट ब्रिटेन से हार गए थे, तो हम वास्तव में निराश थे। भले ही हमने पदक नहीं जीता, लेकिन हम जिस तरह टोक्यो में खेले, उससे निश्चित रूप से काफी आत्मविश्वास मिला है और भविष्य में यह हमें बेहतर परिणाम देने में मदद करने वाला है। टेटे ने कहा कि वह बहुत कम उम्र में ओलंपिक खेलों में खेलने का मौका पाकर खुद को भाग्यशाली महसूस करती हैं। उन्होंने कहा, ओलंपिक खेल किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ा टूर्नामेंट है और मैं अपने देश के लिए सबसे बड़े स्तर में प्रदर्शन करने का अवसर पाकर बहुत धन्य महसूस कर रही हूं। टेटे ने कहा, मैंने उच्च दबाव वाली परिस्थितियों में खेलकर बहुत कुछ सीखा है और मैं निश्चित रूप से आगामी प्रतियोगिताओं में मेरी सीख का उपयोग करुं गी। जब आप सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खेलते हो तो बहुत कुछ सीखने को मिलता है और जिस तरह से हमने अपने प्रत्येक प्रतिद्वंद्वियों को टोक्यो में नॉक-आउट चरण में कड़ी टक्कर दी, उससे हम बहुत खुश हैं। वह सबसे महत्वपूर्ण बात क्या थी जिसने भारत को ओलंपिक में अच्छा प्रदर्शन करने में मदद की यह पूछे जाने पर टेटे ने कहा, हमने विरोधियों पर हमला करने का एक तरीका खोजा। हमने कई गोल-स्कोरिंग अवसर बनाए और सुनिश्चित किया कि हम अपने पेनल्टी कॉर्नर अच्छी तरह से करें और हमने मैदान पर अपना सब कुछ दिया, चाहे कोई भी स्थिति हो हमने कभी हार नहीं मानी।

एनिमेशन और मल्टीमीडिया में रोज़गार

एनिमेशन अर्थात सजीवता फोटोग्राफिक दृश्यों की ऐसी रूपरेखा, चित्रांकन, अभिविन्यास और उत्पादन है जिन्हें मल्टीमीडिया उत्पादों को जोरदार रूप-रंग देने के वास्ते समाविष्ट किया जाता है। अन्य शब्दों में एनिमेशन एक ऐसा हस्तकौषल है जिससे स्थिर चित्रों को भी गतिमान दृश्यों के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है। कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से एक जैसी स्थिति में मवार लिए गए चित्रों को इस प्रकार तैयार कर दिया जाता है कि वे वास्तविक रूप में गातिशील नजर आएं। मल्टीमीडिया हमें कम्प्यूटर या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों द्व ारा प्रदत्त टेक्स्ट, ग्राफिक आर्ट, ध्वनि, एनिमेशन और वीडियो का ही एक सम्मिश्रण है।

तकनीकी रूप से मल्टीमीडिया शब्द का प्रयोग विभिन्न स्रोतों से प्राप्त दृष्य और श्रव्य सामग्री के प्रस्तुतिकरण हेतु सम्मिश्रण के तौर पर किया जा सकता है। अधिक सुस्पष्ट शब्दों में कहें तो मल्टीमीडिया ऐसे माध्यम या स्वरूप में उपलब्ध सामग्री के सम्मिश्रण के लिए प्रयुक्त होता है जिसे सीडी-रोम सहित कम्प्यूटर या डिजिटल वीडियो, पारस्परिक यि वाले टच-स न मॉनीटरों, इंटरनेट या वेब- टेक्नोलॉजी, प्रवाही श्रव्य या दृश्य सामग्री और डॉटा प्रोजेक्शन प्रणाली के जरिए प्रयोग किया जा सकता है। आधुनिक सिनेमा ने मल्टीमीडिया के इस अनुपम उपहार का लाभ उठाते हुए हॉलीवुड और बॉलीवुड ब्लॉकबस्टर्स-जैसे कि जुरासिक पार्क और शि आदि में महान ऊंचाइयों को छू लिया है। टेलीविजन विज्ञापन, कार्टून सीरियल, प्रस्तुतिकरण तथा मॉडल डिजाइन भी इससे कतई दूर नहीं हैं। संभावनाएं और अवसर वर्ष 2009 तक विश्व एनिमेशन उद्योग का विकास करीब 75 अरब अमरीकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है जिसमें इसी अवधि में भारत का हिस्सा 95 करोड़ अमरीकी डॉलर होने की आशा है।

अन्य मल्टीमीडिया उत्पादों; जैसे कि गेमिंग का बाजार 2009 तक 30 करोड़ अमरीकी डॉलर तक पहुंचने की आशा है। भारत में करीब 9-10 करोड़ टीवी होम्स, सौ के करीब टेलीविजन चैनल तथा 70,000 से अधिक केबल ऑपरेटर हैं। वे टीवी दर्शकों के वास्ते चौबीसों घण्टे सूचना और मनोरंजन सेवाओं की मांग कर रहे हैं। ये आंकड़े मल्टीमीडिया उद्योग के उदीयमान विकास, उतकृष्ट अवसरों तथा संभावनाओं की तरफ इशारा करते हैं। मल्टीमीडिया के क्षेत्र के विकास में अगर कोई बाधा है तो वह है कुशल व्यावसायिकों का अभाव। ऐसी आशा है कि अगले कुछ वर्षों में मल्टीमीडिया व्यावसायिकों की आवश्यकता 2 लाख तक पहुंच सकती है। इसके अतिरिक्त सूचना-प्रौद्योगिकी आधारित सेवा क्षेत्र में, जिसमें पारस्परिक यिाशील या डिजिटल मल्टीमीडिया, एनिमेशन और गेमिंग शामिल हैं, 2008 तक करीब 11 लाख विशेषज्ञों को रोज़गार प्राप्त होने की आशा है।

एनिमेशन-यह कैरियर ग्राफिक की दृष्टि से भरपूर और मल्टीमीडिया क्लिपों के डिजाइन, ड्राइंग, लेआउट तथा उत्पादन से संबंधित है। एनिमेटर गेमिंग, अनुदेशन कार्यमों, सीडी-रोम या वेब, क्योस्कों तथा वीडियो के लिए 2डी या 3डी का प्रयोग कर सकते हैं। एनिमेटर एक महान कलाकार हो भी सकता है और नहीं भी। उसकी प्रतिभा 3डी माडलिंग और डिजाइनर्स के स्कैच के तौर पर निहित होती है। मजबूत ड्राइंग कौशल रखने वालों को कथानक कलाकारों के रूप में काम प्राप्त हो सकता है जो कि घटनाम का दृष्टांकन कर सकते हैं। कम्प्यूटर की मदद से लेजर उपकरणों का प्रयोग करते हुए एनिमेटर कम्प्यूटर में चित्रों को स्कैन करके डिजिटल रूप प्रदान करते हैं। सामान्यतः एनिमेटर को कम्प्यूटर में एक पात्र या लक्ष्य का मॉडल तैयार करना होता है तथा एक वायरफ्रेम मॉडल तैयार करने के वास्ते व रेखाचित्रण तथा आधार तैयार करना होता है जिसके लिए वह अपरिष्कृत वस्तुओं (जैसे कि गोलाकार और घनाकार) का प्रयोग करता है। इसके बाद कंट्रोल्स के जरिए इसे झुकाया और भाव-भंगिमा प्रदान की जाती है। जो व्यक्ति कम्प्यूटर एनीमेशन के क्षेत्र में कार्य करना चाहते हैं उनके लिए फोटोग्राफी, लाइटिंग और मूवमेंट की समझ होना लाभकारी सिद्ध हो सकती है। उनमें किसी वस्तु को इस प्रकार सजीव रूप प्रदान करने की क्षमता होनी चाहिए कि वह तीन आयामों में किस प्रकार दिखाई देगी तथा कोई सजीव चित्रण वास्तविक रूप में किसी प्रकार प्रदर्शित होगा।

अपेक्षित कार्य और कौशल

मल्टीमीडिया व्यावसायिकों के कार्य को, ग्राफिक चित्रों, एनिमेशन, ध्वनि, संगीत, टेक्स्ट और दृश्यों को मनोरंजन, शिक्षा या निर्देशन मीडिया हेतु समेकित मल्टीमीडिया कार्यमों के रूप में उत्पादन तथा हस्तकौशल कहा जा सकता है। मल्टीमीडिया विकास में विभिन्न कौशलों जैसे कि कला, संगीत, शिक्षा और कई अन्य क्षेत्रों का कम्प्यूटिंग और सूचना प्रौद्योगिकी के जरिए सम्मिश्रण करना शामिल है। इस तरह ऐसी कोई एकल पृष्ठभूमि नहीं है जिसे इस व्यवसाय को आदर्श मार्ग के रूप में माना जा सके। लेकिन एनिमेशन, ऑथर बेस्ड प्रोग्रामिंग, कम्प्यूटर आधारित ग्राफिक डिजाइन, डिजिटल ऑडियो-वीडियो मिश्रण तथा संपादन, शैक्षणिक और निर्देशन डिजाइन तथा मल्टीमीडिया प्रोग्रामिंग में एक से अधिक कौशल का ज्ञान होना अनिवार्य है। इसके अलावा सजनषीलता, अग्रणी व्यक्तित्व, लचीलापन, गणितीय और विश्लेषणात्मक कला, मजबूत मौखिक और लिखित संचार कौशल, अन्य व्यक्तियों के साथ अच्छी तरह कार्य करने की योग्यता, नवाचार डिजाइन तथा कलात्मक गुण कुछ ऐसी विशेषताएं हैं, जो काफी लाभदायक हो सकते हैं।

कैसे शुरूआत करें

देश भर में संचालित किए जाने वाले मल्टीमीडिया के बहुत से पाठयक्रम हैं। मल्टीमीडिया में डिप्लोमा प्राप्त करने के वास्ते आपने न्यूनतम ४५ अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड की १२वीं स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण की हो। बैचलर डिग्री कार्यक्रम के लिए भी यही मानदण्ड अपेक्षित हैं लेकिन स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए बैचलर डिग्री होनी चाहिए।

सफल मल्टीमीडिया रोजगार की शुरूआत

मल्टीमीडिया रोजगार शुरू करने से पूर्व इस रोजगार में प्रवेश करते समय व्यावसायिक बनने के वास्ते आपको निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना चाहिए ः

- विषिष्टतापूर्ण भाव से विचार करें आप क्या बनना चाहते हैं तथा क्या करना चाहते हैं? ग्राफिकल डिजाइनर, कला निर्देशक, एनिमेटर, वीडियो प्रोड्यूसर, मल्टीमीडिया डिजाइनर, कार्टून या गेम डिजाइनर, सीडी-रोम डेवलपर या प्रस्तुतिकरण कलाकार आदि में से कोई एक व्यावसाय को चुनें।
- आपके द्व ारा चुने गए क्षेत्र में अपेक्षित कौशल की सूची तैयार करें।
- अपेक्षित कौशल को ध्यान में रखते हुए अपने द्व ारा चुने गए क्षेत्र में किसी पाठ्यम औरया प्रशिक्षण कार्यम में शामिल हों। लेकिन पाठयक्रम और प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होने से पूर्व आपको उपकरण, संकाय तथा संस्थान के प्लेसमेंट रिकॉर्ड के बारे में जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए।
- कार्यानुभव का पता लगाएं और प्राप्त करें।
- विभिन्न प्रकार के रोजगारों हेतु अलग-अलग व्यक्तिगत विवरण तैयार करें।
- आपके पास व्यावसायिक रूप-रंग और अच्छा प़ ोकस्ड तथा परिष्कृत पोर्टफॉलियो हो।

मल्टीमीडिया और एनिमेशन रोजगार

- एनिमेशन
- ऑथर बेस्ड प्रोग्रामिंग
- कम्प्यूटर आधारित ग्राफिक डिजाइनिंग
- डिजिटल दृश्य-ध्वनि संपादन
- मल्टीमीडिया प्रोग्रामिंग या डिजाइनिंग
- इंटरफेस डिजाइनिंग
- अनुदेशन डिजाइनिंग
- उत्पादन कलाकार
- वेबसाइट डिजाइनिंग या विकास
- तकनीकी लेखन

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान की फिल्म रावन भले ही बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई हो। लेकिन उनके द्वारा शुरु किया रावन गेम बच्चों को बहुत पसंद आया। आज के हाईटेक वर्ल्ड में बच्चों के साथ-साथ युवा भी इन हाईटेक गेम्स के दीवाने हो रहे हैं। हाल के वर्षो में इंडोर गेम्स यानी वीडियो, कम्प्यूटर और मोबाइल गेम्स का बाजार कई गुना बढ़ा है। इस कारण गेम डेवलपर्स की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

गेमिग वर्ल्ड में बनाएं सुनहरा भविष्य

गेमिंग मार्केट मोबाइल गेमिग का ग्लोबल मार्केट तेजी से बढ़ रहा है। वैसे, भारत में मोबाइल गेमिग इंडस्ट्री को इस समय शुरुआती अवस्था में ही माना जा रहा है लेकिन सेल्युलर ऑपरेटर्स की बढ़ती संख्या की वजह से भारत में भी गेम्स डेवलपर्स की मांग बढ़ी है। आज माइक्रोसॉफ्ट के एक्स-बॉक्स, सोनी के प्ले स्टेशन-टू, नाइनटेंडो का गेम क्लब, इंटरनेट आधारित गेम साइट्स आदि का जबरदस्त मांग बनी हुई है।गेम वर्ल्ड हर वक्त रंग बदलता रहता है इसलिए गेम डेवलपर्स के लिए नौकरी की संभावनाएं हमेशा बनी रहती हैं। कई गेमिग कंपनियां भारत में अपना सेटअप तैयार करवा रही हैं, इसलिए रोजगार के लिहाज से फिलहाल यह सेक्टर बेहतर साबित हो सकता है। लेकिन क्वालिफाइड गेम डेवलपर्स की काफी कमी महसूस की जा रही है। प्रशिक्षित, कुशल और अनुभवी लोगों की कमी के कारण ये कंपनियां अपने विस्तार की योजना पूरी कर पाने में खुद को असमर्थ पा रही हैं। वैसे, जावा, सी, सी , जे2एमई, ब्लैकबेरी, 2डी गेम डेवलपर्स, 3डी डेवलपमेंट के जानकारों के लिए भी असीम संभावनाएं हैं। यहां आप गेम डिजाइनर, सीनियर लेवल डिजाइनर, डिजाइनर, लीड एनिमेटर, यूजर इंटरफेस आर्टिस्ट, एनवायरमेंट आर्टिस्ट, गेम प्रोग्रामिग इंजीनियर, ऑडियो इंजीनियर, ग्राफिक प्रोग्रामर और नेटवर्क प्रोग्रामर के तौर पर भी काम कर सकते हैं।ऑडियो इंजीनियर के लिए सी , साउंड इंजीनियरिंग के अलावा अन्य लैंग्वेज की जानकारी आवश्यक है। वीडियो गेम प्रोडयूसर का काम पूरे प्रोडक्शन की प्रक्रिया पर नजर रखना होता है। इस तरह के इंजीनियर डिजाइन, आर्ट, क्वालिटी कंट्रोल आदि टीम से साथ मिलकर काम करते हैं। गेम डिजाइनर गेम डिजाइनिग के साथ-साथ गेम को फनी रूप देना भी इनका ही काम है। ये गेम राइटिंग और डायग्राम भी तैयार करते हैं। लीड डिजाइनर पर पूरे डिजाइनिग विजन, कॉन्सेप्ट, प्रेजेंटेशन, इंप्लिमेंटेशन वगैरह की जिम्मेदारी होती है। लेकिन इसके लिए टेक्नोलॉजी की जानकारी होने के साथ-साथ आर्टिस्टिक विजन बेहद जरूरी है। लीड एनिमेटर लीड एनिमेटर आमतौर पर लीड प्रोग्रामर और सीनियर आर्टिस्ट के साथ गेम के कैरेक्टर्स के हर पहलू पर काम करते हैं। ऑडियो प्रोग्रामर इस तरह के प्रोग्रामर पर गेम के लिए ऑडियो तैयार करने के अलावा साउंड इंजीनियर से साथ मिलकर काम करने की जिम्मेदारी भी है। वैसे, यह फील्ड कम्प्यूटर इंजीनियर के लिए बेहतरीन माना जाता है। ऑडियो प्रोग्रामर को गेम में स्पेशल इफेक्ट्स डालने के लिए साउंड सिंथेसिस के बारे में भी मालूम होना चाहिए। इस हाइटेक गेम वर्ल्ड में शुरुआती दौर में ही आपकी कमाई दो से ढाई लाख रूपये सालाना हो सकती है। यदि आप इस क्षेत्र से भलीभांति अवगत हैं और 3डी गेम डेवलपमेंट के अच्छे जानकार हैं तो आपकी सालाना आय तीन से चार लाख रूपये तक भी हो सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

तुर्की में लागू किए गए नए कोविड नियम

अंकारा। तुर्की ने नए कोविड -19 नियमों की एक श्रृंखला लागू की है, जिसमें एक अनिवार्य नकारात्मक कोविड -19 परीक्षण परिणाम, घरेलू यात्रा के लिए टीकाकरण का प्रमाण, साथ ही साथ भीड़-भाड़ वाली घटनाओं और गतिविधियों में प्रवेश करना शामिल है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, आंतरिक मंत्रालय द्वारा जारी एक परिपत्र के अनुसार, जिन लोगों को पूरी तरह से टीका नहीं लगाया गया है, उन्हें विमान, बस, ट्रेन या अन्य सार्वजनिक परिवहन से यात्रा करते समय पोलीमरेज चेन रिएक्शन (पीसीआर) परीक्षा परिणाम दिखाना होगा। नई व्यवस्था सोमवार को लागू हुई है। ये उन लोगों के लिए भी अनिवार्य होगा जो कॉन्सर्ट और मूवी थिएटर जैसी गतिविधियों में भाग लेना चाहते हैं। असंबद्ध नागरिकों को अधिकतम 48 घंटों के भीतर जारी किए गए नकारात्मक पीसीआर परीक्षण परिणाम दिखाने होंगे। तुर्की सरकार ने उन शिक्षकों, स्कूल कर्मचारियों और विश्वविद्यालय के छात्रों को भी अनिवार्य पीसीआर परीक्षण दिखाने को कहा है, जिनका टीकाकरण नहीं हुआ है। तुर्की के अधिकारियों का लक्ष्य टीकाकरण दर में वृद्धि करना और दैनिक कोविड -19 मामलों की संख्या पर अंकुश लगाना है। तुर्की ने सोमवार को अपने स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 20,962 नए कोविड -19 मामलों की पुष्टि की, जिससे कुल संक्रमण बढ़कर 6,519,016 हो गया।

इजरायल के लड़ाकू विमानों ने गाजा में हमास के ठिकानों पर किया हमला

गाजा। इजरायली लड़ाकू विमानों ने गाजा पट्टी में इस्लामिक हमास मूवमेंट की चौकियों और ठिकानों पर हमला किया। सुरक्षा सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने समाचार एजेंसी को बताया कि सोमवार देर रात हुए हमलों में दक्षिणी गाजा पट्टी शहर खान यूनिस के पास हमास के सशस्त्र विंग अल-कसम ब्रिगेड से संबंधित सैन्य चौकियों को निशाना बनाया गया था, जिससे प्रशिक्षण सुविधाओं को गंभीर नुकसान हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि क्षेत्र में बड़े विस्फोटों की आवाज सुनी गई और हमास के आतंकवादियों ने हमला करने वाले युद्धक विमानों पर जवाबी गोलीबारी की। इजरायली सेना के एक प्रवक्ता ने एक प्रेस बयान में कहा कि हमास की सुविधाओं पर हवाई हमले गाजा पट्टी से इजरायल की ओर आग लगाने वाले गुब्बारों की शुरुआत की प्रतिक्रिया थी। प्रवक्ता ने कहा कि इजरायली लड़ाकू विमानों ने एक कारखाने पर हमला किया जो भूमिगत सुरंगों के निर्माण के लिए इस्तेमाल होने वाले सीमेंट का उत्पादन करता है। हमास के प्रवक्ता हाजेम कासेम ने कहा कि गाजा पट्टी पर हवाई हमले मुख्य रूप से एक इजरायली जेल से छह फिलिस्तीनी कैदियों के भागने के बाद, फिलिस्तीनी लोगों के संघर्ष का सामना करने में इजरायल की विफलता को व्यक्त करते हैं।

सऊदी अरब ने ऐतिहासिक जेद्दाह को पुनर्जीवित करने के लिए परियोजना की घोषणा की

रियाद। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने ऐतिहासिक शहर जेद्दाह को पुनर्जीवित करने के लिए एक परियोजना शुरू करने की घोषणा की है। सऊदी प्रेस एजेंसी के अनुसार, सोमवार को शुरू की गई परियोजना का उद्देश्य साइट को व्यापार, सांस्कृतिक परियोजनाओं और उद्यमियों के लिए एक केंद्र के रूप में विकसित करना है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इस क्षेत्र में 600 से अधिक विरासत भवन, 36 पुरानी मस्जिदें, पांच बाजार और प्राचीन गलियारे और चौक हैं। 2.5 वर्ग किमी की इस परियोजना को अगले 15 वर्षों में विकसित किया जाएगा और नवीनीकरण प्रक्रिया अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार की जाएगी। जो स्थल तीर्थयात्रियों के लिए एक मार्ग था, उसमें वाटरफ्रंट, हरे भरे स्थान और खुले उद्यान शामिल होंगे जो कुल क्षेत्रफल का 15 प्रतिशत कवर करते हैं। सऊदी अरब के संस्कृति मंत्रालय ने अपनी 2018 की योजना में जेद्दाह के पुराने शहर को पूरे क्षेत्र में पैदल मार्ग बनाकर एक ओपन-एयर संग्रहालय में बदलने की घोषणा की। यह क्षेत्र, 7वीं शताब्दी का है, जिसे 2014 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था। जेद्दाह, राज्य का दूसरा सबसे बड़ा शहर, मक्का का मुख्य प्रवेश द्वार है और इस्लाम का सबसे पवित्र शहर है, जो पूर्व में सिर्फ 65 किमी की दूरी पर स्थित है, जबकि मदीना, दूसरा सबसे पवित्र शहर, उत्तर में 360 किमी की दूरी पर स्थित है।

कैलीफोर्निया में काल्डोर आग पर 44 प्रतिशत तक काबू पाया गया

सैन फ्रांसिस्को। अग्निशमन अधिकारियों ने कहा कि कैलिफोर्निया में काल्डोर आग ने 216,358 एकड़ जमीन को झुलसा दिया। अब तक आग पर 44 प्रतिशत तक काबू पा लिया गया है। कैलिफोर्निया डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेस्ट्री एंड फायर प्रोटेक्शन ने सोमवार को कहा कि 22 दिनों से सक्रिय, आग ने 922 इमारतों को नष्ट कर दिया है, एल डोराडो और अमाडोर काउंटी में 75 संरचनाओं को क्षतिग्रस्त कर दिया है, और हजारों लोगों को खतरे में डाल दिया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को प्रगति के कारण, साउथ लेक ताहो शहर की सीमा के भीतर अनिवार्य निकासी आदेश को चेतावनी में बदल दिया गया था। इस आग ने पिछले हफ्ते साउथ लेक ताहो के पूरे शहर को खाली कराने के लिए मजबूर कर दिया था। जैसे ही निवासियों ने घर लौटना शुरू किया, काल्डोर फायर के लिए एक सार्वजनिक सूचना अधिकारी, जैम मूर ने चेतावनी दी कि खतरा अभी टला नहीं है। खासकर जब मौसम गर्म, शुष्क और हवादार हो। सैन फ्रांसिस्को क्रॉनिकल की सोमवार को एक रिपोर्ट में उनके हवाले से कहा गया कि लोगों को अपनी कारों से सब कुछ अनपैक नहीं करना चाहिए और यह नहीं सोचना चाहिए कि सारा खतरा टल गया है।

9/11 हमले की 20वीं बरसी पर तालिबान की योजना, नई सरकार के गठन का हो सकता है ऐलान

काबुल। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान पर पूरी तरह से कब्जे का दावा करने वाला तालिबान 9/11 हमले की 20वीं बरसी पर नई सरकार के गठन का ऐलान कर सकता है। माना जा रहा है कि तालिबान इसके माध्यम से अमेरिका को संदेश देना चाहता है कि वह किसी से डरते नहीं हैं।

फिर खड़ा हुआ तालिबान

आपको बता दें कि अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के साथ ही अमेरिका का अफगानी जमीं पर 20 साल से जारी अभियान समाप्त हो गया। जॉर्ज वॉकर बुश ने 11 सितंबर, 2001 को हुए हमले के बाद अफगानिस्तान से तालिबान को उखाड़ फेंकने के लिए अपने सैनिकों को भेजा था। लेकिन राष्ट्रपति जो बाइडेन के फैसले के बाद एकबार फिर तालिबान उठ खड़ा हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तालिबान पिछले हफ्ते नई सरकार के गठन का ऐलान करने वाला था लेकिन कुछ कारणों से ऐसा हो नहीं पाया और अब कहा जा रहा है कि 9/11 की 20वीं बरसी पर तालिबान ऐसा कर सकता है।

3,000 लोगों की हुई थी मौत

अमेरिका में 11 सितंबर, 2001 को अगवा किए गए विमानों की मदद से वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर आतंकवादियों ने हमला किया था। जिसमें करीब 3,000 लोगों की मौत हुई थी। इस दौरान आतंकवादियों ने पेंटागन और पेन्सिलवेनिया को भी निशाना बनाया था। इस हमले की जिम्मेदारी अलकायदा ने ली थी। हालांकि बाद में अमेरिका ने एबटाबाद में घुसकर ओसामा बिन लादेन को ढेर कर दिया था।

हाल ही में तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा था कि अफगानिस्तान में 20 सालों तक युद्ध चला है और इस युद्ध के बाद भी ऐसे कोई भी सबूत नहीं मिले हैं, जिससे साबित होता हो कि अमेरिका में हुए हमले के लिए ओसामा बिन लादेन जिम्मेदार था।

ड्रैगन की नई चाल का पर्दाफाश ! चुपके से भारतीय संस्थानों में कर रहा सेंधमारी की कोशिश

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और चीन के बीच में लंबे समय से सीमा विवाद चल रहा है। इस बीच एक अध्ययन से खुलासा हुआ है कि भारत को घेरने के लिए चीन यहां पर अपने समर्थकों को खड़ा कर रहा है। इसके लिए चीन भारी मात्रा में पैसा खर्च करता है। एक थिंक टैंक ने 76 पन्नों की रिपोर्ट में बताया है कि किस तरह से शिक्षा जगत से लेकर मनोरंजन जगत तक में घुसपैठ की कोशिशें हो रही हैं।

चीन का प्रभाव स्थापित हुआ !

रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी का प्रभाव स्थापित हो चुका है और तो और अब इन लोगों ने दखलअंदाजी करना भी शुरू कर दिया है। रिपोर्ट में यहां तक कहा जा रहा है कि चीन ने मतदाताओं की राय को भी प्रभावित करने का काम किया है।

ड्रैगन की नई चाल

ड्रैगन प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर निवेश के माध्यम से शिक्षा से लेकर मनोरंजन जगत तक में अपनी पैठ को मजबूत करने में जुटा हुआ है। कहा जा रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में एंट्री करने की कोशिशों में जुटा हुआ है। ड्रैगन की चाल के सबूत तो साल 2019 में बीजिंग फिल्म महोत्सव में मिला था। उस वक्त चीन ने सुनिश्चित किया कि शाहरुख खान और कबीर खान जैसे दिग्गजों की भागीदारी फिल्म महोत्सव में होनी चाहिए। वहीं रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि चीन विश्वविद्यालय के छात्रों के आदान-प्रदान कार्यक्रम चलाती है। इसके अलावा कई मौकों पर तो देखा गया है कि चीन अपने खर्चे पर छात्रों को बीजिंग का टूर कराती है, जिसके बाद वह छात्र धीरे-धीरे चीन के समर्थक बन जाते हैं। गौरतलब है कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा को लेकर दोनों देशों के बीच में विवाद गर्माया हुआ है। हालांकि बातचीत के माध्यम से मुद्दे को सुलझाने के प्रयास जारी है। इसके बावजूद लगातार ड्रैगन भारत के खिलाफ कोई-न-कोई चाल चलता रहता है।

अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद पाकिस्तानी तालिबान ने तेज किए आतंकी हमले

पेशावर (एजेंसी)।

अफगान तालिबान ने अफगानिस्तान पर पूर्ण नियंत्रण का दावा किया है और वह देश में सरकार बनाने की दिशा में काम कर रहा है। इस बीच पाकिस्तान देश में आतंकवादी हमलों का एक नया उछाल देख रहा है, जिसका दावा अफगान तालिबान के पाकिस्तानी गुट तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) द्वारा किया जा रहा है।

सबसे हालिया आतंकी हमले में, एक आत्मघाती हमलावर ने अशांत दक्षिण-पश्चिमी पाकिस्तान में एक सुरक्षा चौकी के पास विस्फोट कर दिया, जिसमें अर्धसैनिक बलों के कम से कम तीन कर्मियों की जान चली गई और कम से कम 15 अन्य घायल हो गए।

रिपोर्ट्स के अनुसार, आत्मघाती हमलावर बलूचिस्तान प्रांत में क्वेटा-मस्तुंग रोड पर अर्धसैनिक फ्रंटियर कॉर्प्स द्वारा संरक्षित चौकी की ओर गया, जो प्रांतीय राजधानी क्वेटा से लगभग 25 किलोमीटर दूर है। टीटीपी ने हाल ही में पाकिस्तानी मीडिया को चेतावनी जारी कर कहा है कि वह इसे आतंकवादी संगठन न कहे। समूह द्वारा जारी एक पत्र में कहा गया है, हम पाकिस्तानी मीडिया के पत्रकारों और मीडिया घरानों से टीटीपी और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के बीच चल रहे युद्ध में अपने पक्षपात को रोकने का आह्वान करते हैं।

इसके बयान में कहा गया है, हमने देखा है कि हमारे नाम के साथ आतंकवादी और चरमपंथी जैसे शीर्षकों का उपयोग किया जाता है, जो मीडिया के जानबूझकर पूर्वाग्रह को दर्शाता है। यह चेतावनी दी जाती है और निर्देश दिया जाता है कि टीटीपी को केवल टीटीपी के रूप में उल्लेख किया जाए, न कि ऐसे शीर्षकों के साथ, जो हमारे दुश्मनों द्वारा दिए गए हैं। टीटीपी ने उनकी चिंताओं का समाधान नहीं होने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। इसने कहा, पूर्वाग्रह होना पत्रकारिता की नैतिकता के खिलाफ है और यह आपके (पाकिस्तानी मीडिया) के लिए और अधिक दुश्मनों को आकर्षित करेगा।टीटीपी अफगानिस्तान में अफगान तालिबान के अधिग्रहण के लिए बधाई पत्र जारी करने वाले पहले लोगों या समूह में से एक है, जबकि इसने एक इस्लामी कानून और एक मुस्लिम राष्ट्र को लागू करने के प्रयासों को जारी रखने की भी कसम खाई है।

यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि टीटीपी तालिबान का पाकिस्तानी गुट है, जो अल कायदा की विचारधारा के प्रति निष्ठा रखता है। लेकिन ऐसा लगता है कि अफगानिस्तान में तालिबान के अधिग्रहण ने टीटीपी गुटों को विश्वास दिलाया है, जिन्होंने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को निशाना बनाकर एक नया आक्रमण शुरू किया है। अफगान तालिबान ने कहा है कि वे पाकिस्तान सहित किसी भी देश में अस्थिरता या आतंक फैलाने के लिए किसी भी आतंकी तत्व द्वारा अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं करने देंगे।

हालांकि, अफगान तालिबान ने भी पाकिस्तान को अपने सुझाव का संकेत दिया है कि देश टीटीपी के साथ भी बातचीत कर सकता है, उसी तरह जैसे अमेरिकी सेना ने बातचीत की है और अफगानिस्तान में उनके साथ शांति समझौता किया है। दुनिया भले ही पाकिस्तान को अफगानिस्तान में तालिबान के अधिग्रहण से संतुष्ट या जश्न में देख रही हो, लेकिन यह एक सच्चाई है कि अफगानिस्तान में हालिया घटनाक्रम ने देश के लिए चुनौतियों का एक नया और अधिक खतरनाक सेट खोल दिया है, क्योंकि टीटीपी जैसे गुटों ने अपनी लड़ाई शुरू कर दी है। इसने समग्र सुरक्षा स्थिति और स्थानीय लोगों के जीवन को खतरे में डालते हुए, देश के विभिन्न हिस्सों में अपनी उपस्थिति दिखाई है।

पाकिस्तान : यूट्यूबर के यौन उत्पीड़न के मामले में पकड़े गए 155 संदिग्ध रिहा

लाहौर। (एजेंसी)।

पुलिस ने ऐतिहासिक मीनार-ए-पाकिस्तान में स्वतंत्रता दिवस पर एक महिला यूट्यूबर के यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार 155 संदिग्धों को रिहा कर दिया है। पीड़िता और उसकी टीम के सदस्य एक परेड के दौरान आरोपियों की पहचान नहीं कर पाए, जिसके चलते संदिग्धों को रिहा किया गया। पंजाब सरकार के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह घटना 14 अगस्त को हुई थी, जब सैकड़ों युवा लाहौर में मीनार-ए-पाकिस्तान के पास आजादी चौक पर पाकिस्तान का स्वतंत्रता दिवस मना रहे थे। इस घटना से देशव्यापी आक्रोश फैल गया था और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी निंदा की गई थी।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सैकड़ों युवकों को लड़की को हवा में उछालते, घसीटते, कपड़े फाड़ते और उसके साथ छेड़छाड़ करते देखा जा सकता है। सभी दलों के राजनेताओं और नागरिक समाज के सदस्यों ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। उनमें से कई ने इसे यौन आतंकवाद कहा है। लाहौर पुलिस ने लड़की और उसके साथियों पर हमला करने के आरोप में 400 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया था और बाद में मामले में 161 लोगों को गिरफ्तार किया था। पंजाब सरकार के एक अधिकारी ने मंगलवार को पीटीआई- से कहा, बीते कुछ दिन में कैंप जेल लाहौर में न्यायिक मजिस्ट्रेट की निगरानी में, गिरफ्तार किये गए 161 गिरफ्तार संदिग्धों की पहचान परेड आयोजित की गई थी।

लड़की और उसकी टीम के सदस्य केवल छह संदिग्धों की पहचान कर सके जिसके बाद पुलिस ने मजिस्ट्रेट को बताया कि इस मामले में अब 155 संदिग्धों की जरूरत नहीं है और बाद में उन्हें जेल से रिहा कर दिया गया। उन्होंने कहा कि लड़की द्वारा पहचाने गए छह संदिग्धों को नौ सितंबर तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। कुछ संदिग्धों ने अदालत के समक्ष आरोप लगाया कि लड़की ने खुद उन्हें वीडियो बनाने के लिए मीनार-ए-पाकिस्तान में आमंत्रित किया और जो कुछ उसके साथ हुआ, उसके लिए वह जिम्मेदार थी।

अफगान शरणार्थियों के लिए नए शिविर नहीं लगा रहा पाकिस्तान : गृह मंत्री रशीद अहमद

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के गृह मंत्री शेख रशीद अहमद ने कहा है कि अफगानिस्तान से भागने की कोशिश कर रहे अफगान शरणार्थियों को आश्रय देने के लिए उनका देश कोई नया शिविर स्थापित नहीं कर रहा है। 'बिजनेस रिकॉर्डर' की खबर के अनुसार, रशीद ने कहा कि सीमा पर कोई अफगान शरणार्थी नहीं है और सरकार ने उस इलाके में कोई शिविर स्थापित नहीं किया है। रशीद ने रविवार को तोरखम सीमा का दौरा किया था जहां उन्होंने यह बयान दिया। देश में पहले से ही लगभग तीस लाख अफगान शरणार्थी हैं और ऐसी खबरें आ रही थीं कि सीमा पर लोग एकत्र होकर पाकिस्तान में घुसने का प्रयास कर रहे हैं।

अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान में रह रहे शरणार्थियों में से लगभग आधे लोग अवैध रूप से रह रहे हैं क्योंकि उन्हें अपना पंजीकरण नहीं करवाया है। आधिकारिक रूप से लगभग 15 लाख शरणार्थियों ने अपना पंजीकरण करवाया है। उनके पास रहने, रोजगार करने और सीमा पार जाने के लिए दस्तावेज हैं। अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान के काबिज होने के बाद से ही पाकिस्तान कहता रहा है कि वह और शरणार्थियों को स्वीकार नहीं करेगा।लेकिन उसके मंत्री इस विषय पर विरोधाभासी बयान दे रहे हैं। गृह मंत्री ने इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाया है जबकि सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने पिछले सप्ताह कहा था कि महिलाओं और बच्चों को लेकर नरमी बरती जाएगी। अभी तक कोई स्पष्टीकरण जारी नहीं किया गया है।

कौन है जनरल वांग हेईजियांग ? जिन्हें चीन ने भारत से लगती सीमा की निगरानी करने वाली सैन्य कमान का प्रमुख बनाया

बीजिंग। (एजेंसी)।

पूर्वी लद्दाख से सटी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर भारत और चीन के बीच विवाद बना हुआ है। इसी बीच चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भारत के साथ लगने वाली सीमाओं पर निगरानी रखने वाली पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की वेस्टर्न थियेटर कमान का नया कमांडर जनरल वांग हेईजियांग को नियुक्त किया है।

कौन है जनरल वांग हेईजियांग ?

जनरल वांग हेईजियांग को चीन की सरकार ने वेस्टर्न थियेटर कमान का नया कमांडर नियुक्त कर दिया है। इसी के साथ ही उन्हें भारत, अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा की अहम जिम्मेदारी दी गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक जनरल वांग हेईजियांग ने साल 1977 में वियतनाम युद्ध के दौरान अहम भूमिका निभाई थी।

इस युद्ध में चीन को हार का सामना करना पड़ा था। इसके बावजूद जनरल वांग हेईजियांग को सम्मानित किया गया था। दक्षिण शिनजियांग में उन्हें डिप्टी कमांडर के तौर पर नियुक्त किया गया था। इसके बाद उन्हें पदोन्नत करके लेफ्टिनेंट जनरल बनाकर तिब्बत भेज दिया गया था, जहां पर उन्होंने दलाई लांबा के समर्थकों की आवाज को कुचलने का काम किया था।

चीन की सरकारी वेबसाइट 'चाइनामिल' के अनुसार सत्तारूढ़ चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और केन्द्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के अध्यक्ष शी ने वांग तथा चार अन्य सैन्य अधिकारियों को जनरल की रैंक पर पदोन्नति दी है। चीन में सैन्य सेवा में कार्यरत अधिकारियों के लिए 'जनरल' सर्वोच्च रैंक होता है। पीएलए के लिए सीमएसी समग्र हाई कमान है।

पिछले महीने पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच गतिरोध होने के बाद से जनरल वांग वेस्टर्न थियेटर कमान के प्रमुख का पद संभालने वाले चौथे कमांडर हैं। शिनजियांग, तिब्बत स्वायत्तशासी क्षेत्रों और भारत के साथ लगने वाली सीमा की निगरानी की जिम्मेदारी इसी कमान की है और पीएलए के तहत यदि किसी कमान के दायरे में सबसे बड़ा भौगोलिक क्षेत्र है तो वह वेस्टर्न थियेटर कमान ही है।

शी ने जुलाई में जनरल श्यू क्विलियांग को वेस्टर्न थियेटर कमान का प्रमुख बनाया था। अब उनकी नई भूमिका क्या होगी, इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी। उनसे पहले यह जिम्मेदारी पिछले वर्ष दिसंबर में जनरल झांग श्यूदांग को दी गई थी। जनरल वांग दिसंबर 2019 से अब तक तिब्बत सैन्य जिले के प्रमुख थे।

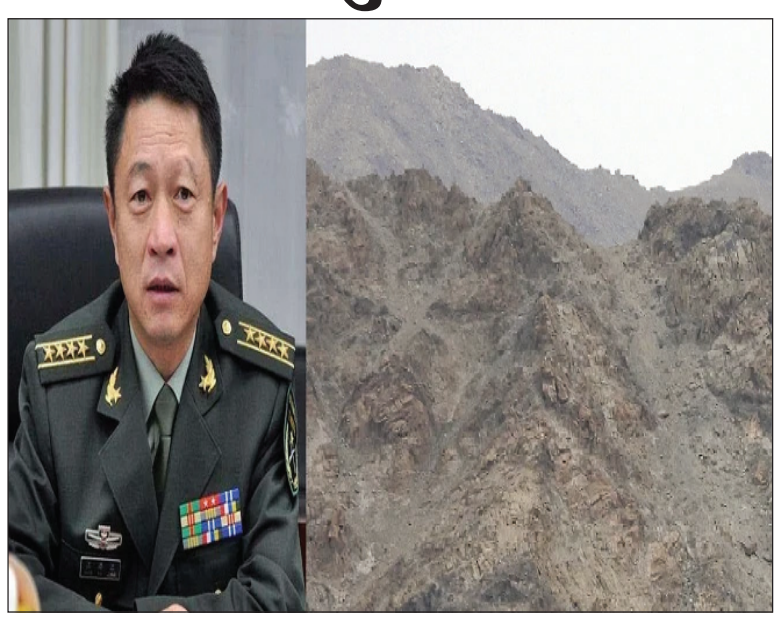

सार समाचार

छात्रों की परेशानी पर सरकार ध्यान नहीं दे रही, नीट परीक्षा स्थगित करें: राहुल

नई दिल्ली। नीट परीक्षा की तारीखों में दखल देने से कोर्ट के इनकार के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी उम्मीदवारों के समर्थन में खुलकर सामने आए। राहुल ने मंगलवार को एक ट्वीट में कहा, छात्रों के संकट पर भारत सरकार अंधी बनी हुई है। हैशटैग नीट परीक्षा स्थगित करें। उन्हें उचित मौका दें। रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को नीट को स्थगित करने की याचिकाओं को खारिज कर दिया। छात्रों ने कहा कि एनईईटी की तारीख सीबीएसई के छात्रों के लिए कंपार्टमेंट परीक्षा सहित अन्य परीक्षाओं के साथ टकरा गई है। अदालत ने कहा कि 16 लाख छात्र नीट के लिए उपस्थित होंगे और इसे स्थगित नहीं किया जा सकता है। नीट (यूजी) 2021 देश भर में 12 सितंबर को कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करते हुए आयोजित किया जाएगा। नीट की परीक्षा पहले एक अगस्त को होनी थी।

बीएचयू में दाखिला लेने का सपना रखने वाले छात्रों के लिए आवेदन करने का एक और अवसर

नई दिल्ली। बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी में जिन भी छात्रों का सपना है दाखिला लेने का, लेकिन वह बीएचयू के एडमिशन फॉर्म को नहीं भर पाए हैं तो उनके लिए एक और मौका प्राप्त हुआ है। बीएचयू में दाखिला लेने के लिए ऑनलाइन फॉर्म को भरने का 14 अगस्त से 6 सितंबर तक तिथि निर्धारित की गई थी लेकिन अब यूनिवर्सिटी ने इस तिथि को और 6 दिन के लिए बढ़ा दिया है यानी अब बीएचयू में एडमिशन लेने के लिए आवेदन करने के लिए 14 सितंबर अंतिम तिथि है। अब उन सभी छात्रों को एक और मौका मिल गया है जो बीएचयू में यूजी और पीजी के लिए अप्लाई करना चाहते थे। आवेदन की तिथि को बढ़ाकर 12 सितंबर तक कर दिया गया है विषय से संबंधित अभ्यार्थी जहां 13 सितंबर को रात 11:30 बजे तक परीक्षा शुल्क जमा कर सकेंगे वहीं 14 और 15 सितंबर की रात करीब 11:30 बजे तक जिसके भी फॉर्म में कोई भी गड़बड़ी हुई होगी तो उसको सुधार कर सकेगा। बीएचयू में साल 2020 से 21 में पीजी में 94 और यूजी कोर्स में 30 वर्षों के लिए आवेदन 6 सितंबर तक ही होना था जिसकी तिथि और बढ़ा दी गई है।

ओवैसी के अयोध्या दौरे पर शहनवाज का तंज, कहा- उम्मीद है कि वे थोड़ी अच्छी बात करेंगे

नई दिल्ली। अगले साल उत्तर प्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने है। चुनाव को लेकर राज्य का सियासी पारा भी चढ़ा हुआ है। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी लगातार उत्तर प्रदेश के दौरे कर रहे हैं। इसी कड़ी में आज वह अयोध्या पहुंचे। अयोध्या में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए ओवैसी ने सत्तारूढ़ भाजपा के साथ-साथ अखिलेश यादव पर भी जमकर निशाना साधा। हालांकि वह आजम खान के प्रति थोड़े नरम जरूर दिखाई दिए। ओवैसी के अयोध्या दौरे को लेकर भाजपा प्रवक्ता और बिहार सरकार में मंत्री शाहनवाज हुसैन ने तंज कसा है। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक शाहनवाज ने कहा कि अच्छी बात है कि असदुद्दीन ओवैसी के दिल में अयोध्या के लिए सम्मान तो आया। उन्होंने अपना चुनाव अभियान अयोध्या से शुरू किया है लेकिन वे याद रखें कि वे अयोध्या से अपना अभियान शुरू कर रहे हैं श्रीलंका से नहीं कर रहे हैं। उम्मीद है कि वे थोड़ी अच्छी बात करेंगे।

एक लाख करोड़ की निधि ग्रामीण स्तर पर सुदृढ़ करेगी कृषि-बागवानी अधोसंरचना: सुरेश भारद्वाज

शिमला। शहरी विकास एवं सहकारिता मंत्री सुरेश भारद्वाज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष कृषि अधोसंरचना निधि के गठन के लिए आभार व्यक्त किया है। सुरेश भारद्वाज ने कहा कि प्रदेश सहकारिता विभाग भी एक प्रकोष्ठ का गठन कर रहा है जो पंजीकृत किसान संस्थाओं, महिला स्वयं सहायता समूहों व कृषि, बागवानी से सम्बंधित संस्थाओं की मदद करेगा। मंत्री ने कहा कि एक लाख करोड़ का यह फंड ग्रामीण स्तर पर अधोसंरचना को मजबूत करने में सहायक होगा। क्लस्टर स्तर पर कोल्ड स्टोर या अन्य पोस्ट हार्वेस्ट प्रबंधन की सुविधाएं उपलब्ध कराने में यह निधि सहायक सिद्ध होगी। प्रदेश सरकार भी अधोसंरचना निर्माण में जोर दे रही है। लेकिन प्रधानमंत्री जी का माइक्रो स्तर पर मदद पहुंचाने की पहल बहुत अहम है। मंत्री ने कहा कि कई संस्थाएं अपने अपने स्तर पर कृषि एवं बागवानी के क्षेत्र में काम कर रही है। सहकारिता विभाग इन संस्थाओं के अधोसंरचना निर्माण में सहायक सिद्ध होगा। संस्थाएं अपनी मांग प्रकोष्ठ के पास रखेंगी जिसे पूरा करने में सहायता की जाएगी।

दिल्ली यात्रा के दौरान खाली मंत्री पदों को भरने पर कोई चर्चा नहीं होगी: बोम्मई

बेंगलूरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री वसवराज बोम्मई ने अपनी नयी दिल्ली यात्रा से पहले मंगलवार को कहा कि इस बार यात्रा में उनकी भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के साथ चार रिक्त कैबिनेट पदों को भरने को लेकर कोई चर्चा नहीं होगी। बोम्मई से नयी दिल्ली की उनकी यात्रा के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा के साथ बैठक को लेकर सवाल पूछा गया था। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा, '' अभी तक मुलाकात (भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष) का कोई कार्यक्रम नहीं है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी की पुत्री के विवाहके प्रीतिभोज में उनसे मुलाकात के दौरान मैं उनसे बातचीत करूंगा।'' उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान, चार रिक्त कैबिनेट पदों को भरने को लेकर केंद्रीय नेतृत्व से कोई चर्चा नहीं होगी। गौरतलब है कि कर्नाटक सरकार में मंत्रियों की स्वीकृत संख्या 34 है। फिलहाल30 मंत्री हैं तथा चार कैबिनेट मंत्री पद रिक्त हैं।

किसान महापंचायत पर बोले खट्टर, लोकतंत्र में सबको अधिकार, रास्ता निकलने की उम्मीद

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

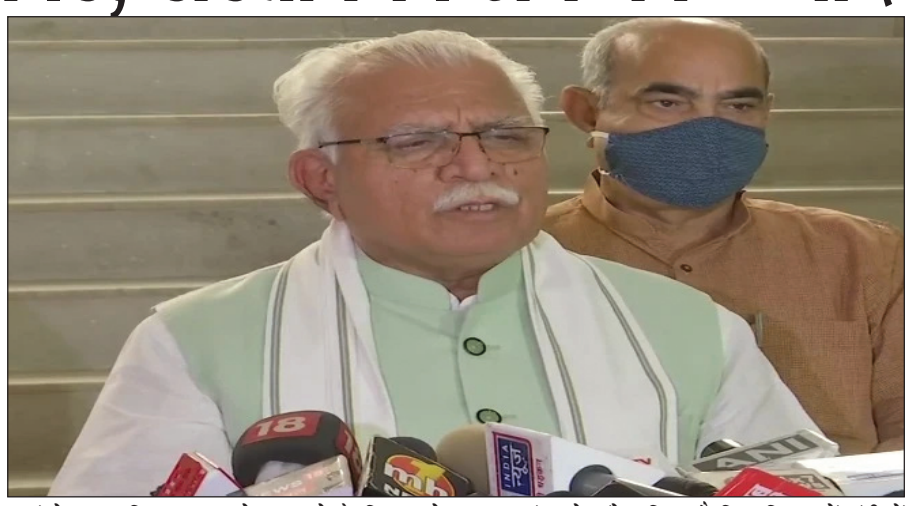

हरियाणा के करनाल में पिछले महीने हुए लाठीचार्ज को लेकर किसानों ने आज महापंचायत का आह्वान किया है। इसी को लेकर करनाल में सुरक्षा के पुख्ता व्यवस्था कर दिए गए है। आज के किसान महापंचायत को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बड़ा बयान दिया है। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक मनोहर लाल खट्टर ने साफ तौर पर कहा कि लोकतंत्र में सभी को कार्यक्रम करने का अधिकार है। खट्टर ने कहा कि लोकतंत्र में सभी को कार्यक्रम करने का अधिकार है। किसानों ने वहां एक सभा बुलाई है जो चल रही है साथ ही एक किसानों की कमेटी भी बनी है जिसकी प्रशासन से बातचीत चल रही है।मुझे लगता है कि कोई न कोई रास्ता निकल जाएगा।

दूसरी ओर किसानों पर 28 अगस्त को हुए पुलिस के कथित लाठीचार्ज के विरोध में करनाल में महापंचायत करने तथा '' लघु सचिवालय का घेराव करने'' की किसानों की योजना के मद्देनजर जिले में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि करनाल में हरियाणा पुलिस के साथ ही बड़ी संख्या में केन्द्रीय बलों के कर्मी भी तैनात किए गए हैं, जबकि नई अनाज मंडी में भी बल की भारी तैनाती की गई है। किसानों की योजना अनाज मंडी में एकत्रित होकर, वहां से लघु सचिवालय का घेराव करने के लिए आगे बढ़ने की है।

हरियाणा भारतीय किसान यूनियन (चढूनी) के प्रमुख गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने किसानों से शांतिपूर्वक तरीके से अनाज मंडी में एकत्रित होने की अपील की है। उन्होंने कहा, '' हम नई अनाज मंडी में महापंचायत करेंगे।'' चढ़ूनी ने एक वीडियो संदेश में कहा, '' मैं सभी से शांतिपूर्वक तरीके से मंडी पहुंचने की अपील करता हूं। मुझे संदेश मिला है कि पुलिस हमें मंडी में एकत्रित होने देगी। आगे की कार्रवाई महापंचायत में ही तय की जाएगी।'' खबरों के अनुसार, किसानों ने नई अनाज मंडी पहुंचना शुरू कर दिया है, जबकि बीकेयू के नेता राकेश टिकैत भी करनाल पहुंच रहे हैं। पुलिस के कई वरिष्ठ अधिकारियों को नई अनाज मंडी में तैनात किया गया है। लघु सचिवालय के आसपास अवरोधक लगाए गए हैं और भारी बल की तैनाती की गई है।

मुझे घर में नजरबंद कर दिया गया है: महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को कहा कि उन्हें श्रीनगर में उनके आवास पर नजरबंद कर दिया गया है। मुफ्ती ने ट्विटर पर कहा कि जहां भारत सरकार अफगानों के अधिकारों के बारे में चिंता व्यक्त कर रही है, वहीं वह कश्मीरियों को इससे वंचित कर रही है। महबूबा ने ट्वीट किया, भारत सरकार अफगान लोगों के अधिकारों के लिए चिंता व्यक्त करती है, लेकिन जानबूझकर कश्मीरियों को इससे वंचित रखती है। मुझे आज नजरबंद कर दिया गया है क्योंकि प्रशासन के अनुसार कश्मीर में स्थिति सामान्य से बहुत दूर है। यह सामान्य स्थिति के उनके फर्जी दावों को उजागर करता है। यह बयान एक दिन बाद तब आया,जब मुफ्ती ने कहा था कि अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी का अंतिम संस्कार बुधवार की रात को परिवार की इच्छा के अनुसार किया जाना चाहिए था। इससे पहले दिन में, जम्मू और कश्मीर पुलिस ने गिलानी को दफनाने की वीडियो क्लिप पोस्ट की, जिसका उद्देश्य वरिष्ठ अलगाववादी नेता के कथित अपमान के बारे में फैली अफवाहों को दूर करना था। वरिष्ठ अलगाववादी नेता का अंतिम संस्कार पूरी इस्लामी विधि के साथ किया गया था। पुलिस द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो क्लिप से पता चला है कि गिलानी के शरीर को उचित तरीके से नहलाया गया था, सफेद कफन में लपेटा गया था और पवित्र कुरान की आयतों के बीच कब्र में दफनाया गया था।

जयशंकर ने बांग्लादेश के सूचना प्रसारण मंत्री हसन महमूद से मुलाकात की

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को बांग्लादेश के सूचना प्रसारण मंत्री हसन महमूद से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों के विविध आयामों पर चर्चा की। जयशंकर ने अपने ट्वीट में कहा, '' बांग्लादेश के सूचना प्रसारण मंत्री हसन महमूह से मुलाकात कर प्रसन्न हूं। हमारे द्विपक्षीय संबंध हर क्षेत्र में ठोस रूप से आगे बढ़ रहे हैं। इस बारे में मीडिया एवं जन धारणाओं के बारे में चर्चा की। '' गौरतलब है कि महमूद भारत की आधिकारिक यात्रा पर आए हुए हैं। कोरोना वायरस महामारी के बीच पिछले कुछ महीनों में दोनों पक्षों की एक दूसरे के यहां कई यात्राएं हुई हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मार्च में दो दिवसीय यात्रा पर बांग्लादेश गए थे और पड़ोसी देश के मुक्ति संग्राम की 50वीं वर्षगांठ से जुड़े कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। अप्रैल में थलसेना प्रमख जनरल एम एम नरवणे रक्षा एवं सैन्य सहयोग बढ़ाने के रास्तों पर विचार विमर्श करने पांच दिवसीय यात्रा पर बांग्लादेश गए थे। जून में वायुसेना अध्यक्ष एयर चीफ मार्शन आर के एस भदौरिया ने पड़ोसी देश की यात्रा की थी। दोनों देशों के करीबी संबंधों के मद्देनजर बांग्लादेश के 1971 के मुक्ति संग्राम की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारत कई कार्यक्रमों की मेजबानी कर रहा है। इस मुक्ति संग्राम में 16 दिसंबर 1971 को भारतीय सेना और मुक्ति वाहिनी के समक्ष 93 हजार पाकिस्तानी सैनिकों ने आत्मसमर्पण किया था।

पीएम की जन हितैषी नीतियों ने भाजपा को बेलगावी निकाय चुनाव जीतने में मदद की: नड्डा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख जेपी नड्डा ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन हितैषी नीतियों ने पार्टी को पहली बार बेलगावी नगर निगम चुनाव में जीत दिलाई। कर्नाटक स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा का समर्थन करने के लिए लोगों को धन्यवाद देते हुए, नड्डा ने ट्वीट किया, बेलागवी, हुबली-धारवाड़ और कलबुर्गी के तीन नगर निगम चुनावों में भाजपा पर भरोसा करने के लिए कर्नाटक के लोगों को धन्यवाद। साथ ही (मुख्यमंत्री)बीएस बोम्मई जी, (प्रदेश अध्यक्ष) नलिन कतील जी और सभी कार्यकर्ता को बधाई, जिन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि भाजपा पिछली बार की तुलना में बड़ी जीत हासिल करे।

नड्डा ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन हितैषी नीतियों के लिए धन्यवाद, हमने पहली बार बेलगावी नगर निगम चुनाव जीता है। यह गर्व की बात है कि कर्नाटक भाजपा हुबली-धारवाड़ निगम में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है और कलबुर्गी निगम में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और कर्नाटक के विधायक सी.टी. रवि ने कहा, कर्नाटक स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों ने इस तथ्य को दोहराया है कि कन्नड़ लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री बी एस बोम्मई के नेतृत्व में बहुत विश्वास है। उन्होंने कहा, मैं पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा को उनकी कड़ी मेहनत के लिए बधाई देता हूं और भाजपा कर्नाटक कार्यकर्ताओं को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद देता हूं। मतदाताओं का आभार। मुख्यमंत्री बोम्मई ने पार्टी नेताओं को बेलगावी नगर निगम में प्रचंड जीत दर्ज करने और कलबुर्गी और हुबली-धारवाड़ में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बधाई दी थी। कर्नाटक की सत्तारूढ़ भाजपा ने स्थानीय निकाय चुनावों में स्पष्ट बहुमत हासिल कर बेलागवी नगर निगम को शिकस्त देने में कामयाबी हासिल की है, लेकिन हुबली-धारवाड़ में बहुमत से पीछे रह गई, जबकि कलबुर्गी में कांग्रेस को झटका लगा। हालांकि, भाजपा तीनों प्रमुख नगर निगमों में अपने मेयर उम्मीदवारों का चुनाव करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

योगी आदित्यनाथ का अधिकारियों को आदेश, वायरल बीमारियों के रोकथाम के लिए करें आवश्यक व्यवस्था

उर प्रदेश। (एजेंसी)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे फिरोजाबाद और आसपास के जिलों में डेंगू व अन्य वायरल बीमारियों की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक इंतजाम करें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों से कहा कि फिरोजाबाद, मथुरा, आगरा के साथ-साथ सभी जिलों में डेंगू व अन्य वायरल बीमारियों की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए जाएं। उन्होंने कहा कि शिकोहाबाद में 100 बिस्तरों वाला अस्पताल तैयार हो गया है, यह आसपास के लोगों के लिए उपयोगी होगा और अस्पतालों में अतिरिक्त बेड, चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ, दवाइयां, जांच उपकरण आदि की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने स्थिति का जायजा लेने के लिए 30 अगस्त को फिरोजाबाद का दौरा किया था। उन्होंने कहा कि ओपीडी में अनावश्यक भीड़ से बचना चाहिए और रोगियों के परिवार के सदस्यों को स्वास्थ्य अपडेट दिया जाना चाहिए और सीएम हेल्पलाइन भी उन तक पहुंचनी चाहिए। फिरोजाबाद में डेंगू और वायरल बुखार ने अब तक 51 लोगों की जान ले ली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले हफ्ते फिरोजाबाद के तीन डॉक्टरों को लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया गया और मुख्य चिकित्सा अधिकारी नीता कुलश्रेष्ठ को भी हटाकर नये अधिकारी की तैनाती की गई है।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि कोविड की नियंत्रित स्थिति को देखते हुए रात्रिकालीन कर्फ्यू रात्रि 11 बजे से प्रातः 6 बजे तक प्रभावी किया जाए और 11 बजे तक सभी दुकानें/बाजार बंद हो जाएं। लोग अनावश्यक सड़कों पर न घूमें। योगी ने कहा कि विभिन्न राज्यों में कोविड के मामले एक बार फिर तेजी से बढ़ रहे हैं, इसलिए हमें सावधान रहना होगा और अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी। कोविड प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन किया जाना बहुत जरूरी है। वर्तमान में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक कोरोना कर्फ्यू था लेकिन अब इसमें एक घंटे की ढील दी गई है। इस बैठक में जानकारी दी गई कि कोविड से बचाव के लिए प्रदेश में टीकाकरण की प्रक्रिया तेजी से चल रही है और भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप टीकाकरण के लिए पात्र लोगों में से 45 फीसदी प्रदेशवासियों ने टीके की पहली खुराक ले ली है। योगी ने कहा कि बीते दिन प्रदेश ने दो नए रिकॉर्ड बनाये। बीते दिन 24 घंटे में 33 लाख 42 हजार 360 लोगों का टीकाकरण किया गया, इसके साथ ही प्रदेश में कोविड टीकाकरण आठ करोड़ आठ लाख से अधिक हो गया है।

पिता का बंगला खाली करने के मूड में नहीं चिराग, 12 जनपद पर लगवा दी रामविलास पासवान की मूर्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)।

लोक जनशक्ति पार्टी में जारी घमासान के बीच पिता रामविलास पासवान के दिल्ली स्थित 12 जनपद वाले बंगले को चिराग पासवान खाली करने के मूड में नहीं हैं। चिराग पासवान ने इस बंगले में पिता रामविलास पासवान की मूर्ति लगवा दी है। साथ ही साथ उनके नाम का बोर्ड भी लगाया गया है। चिराग पासवान के इस कदम से दिल्ली से पटना तक राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है। आपको बता दें कि हाल में ही केंद्र सरकार ने चिराग को वह बंगला छोड़ने के लिए कहा था। चिराग की ओर से दलील दी गई थी कि पिता की बरसी तक उस बंगले में रहने की इजाजत दी जाए।

स्वर्गीय राम विलास पासवान के नाम पर आवंटित यह बांग्ला अब केंद्रीय आईटी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को आवंटित किया गया है। यह बंगला कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के बंगले के बिल्कुल बगल में है। रामविलास पासवान ने 12 जनपद में ही करीब तीन दशक अपने परिवार के साथ बिताए थे। इस बंगले में जो प्रतिमा लगाई गई है उसमें पासवान की छाती तक का हिस्सा दर्शाया गया है। मूर्ति में नीले रंग का प्रयोग किया गया है और चेहरे पर मुस्कान को दिखाया गया है।

आपको यह भी बता दें कि चिराग पासवान को 23 नॉर्थ एवेन्यू आवंटित होने के बाद भी वह अपने पिता के साथ 12 जनपद में ही रहते थे। पिता की मृत्यु के बाद शहरी विकास मंत्रालय के संपदा निदेशालय ने पासवान परिवार को बंगला खाली करने से जुड़े नोटिस भेजा था। दूसरी ओर चिराग के करीबी सूत्रों का कहना है कि पासवान परिवार ने वहां रहने के लिए कुछ वक्त की मोहलत ले ली है।

केरल हाईकोर्ट ने देहदान की परम्परा को कलंकित होने से बचा लिया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केरल हाईकोर्ट के निर्णय ने महर्षि दधीचि की देहदान और अंगदान की परम्परा को कलंकित होने से बचा लिया। वरना मानव कल्याण के इस कार्य में जाति, धर्म, संप्रदाय अपराधी और निरपराधी खोजे जाने लगते। दान की पूरी परंपरा और मानव कल्याण की व्यवस्था भंग हो जाती। देहदान और अंगदान की प्रक्रिया जाति, धर्म ओर संप्रदाय में बंटकर रह जाती। मानव कल्याण के लिए देहदान की बात महर्षि दधीचि की कहानी से मिलती है। देवता और दानव में युद्ध चल रहा था ! दानव देवताओं पर भारी पड़ रहे थे। देवताओं को समझ नहीं आ रहा था कि युद्ध में कैसे विजय पाई जाए। इसके लिए वे ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी ने सुझाव दिया कि महर्षि दधीचि की अस्थियों से बने अस्त्र से दानवों को परास्त किया जा सकता है। देवता महर्षि दधीचि के पास गए। याचना की। दधीचि द्वारा दी गई अस्थियों से बने वज्र से राक्षास ब्रजासुर का बद्ध हुआ। दानव पराजित हुए। आर्यव्रत की हजारों साल पुरानी देहदान और अंगदान की इस परंपरा में आज भी लोगों की रुचि नहीं है। मुझे याद है कि लगभग 30 साल पहले बिजनौर के स्टेडियम में खेल प्रतियोगिता के दौरान भाला लगने से एक कर्मचारी घायल हो गया था। उसे खून की जरूरत थी। कहे जाने पर भी परिवार जनों ने खून नहीं दिया था। उसकी मदद के लिए स्टेडियम के खिलाड़ी आगे आये। उनके रक्त देने से कर्मचारी की जान बची। अंगदान की प्रक्रिया बहुत लाभकर है पर जिस तेजी से बढ़नी चाहिए, उस तेजी से नहीं बढ़ी। अभी भी दुनिया के करोड़ों लोग इसलिए मर जाते हैं क्योंकि उनकी देह के अंग कार्य करना बंद कर देते हैं। यदि अन्य मरने वाले के सही अंग उनके परिवारजन दान करने लगें तो बहुतों की जान बच सकती है। अंगदान के नाम पर आंख देना ही शुरू हुआ है। यह भी न के बराबर। जबकि मानव कल्याण के लिये अंगदान का प्रचार प्रसार बहुत जरूरी है। रक्त दान में जरूर तेजी आई है। आज काफी संख्या में स्वेच्छा से पूरी दुनिया में रक्तदान होता है। केरल में अंग-प्रत्यारोपण प्राधिकरण समिति ने एक अपराधी के ऑर्गन डोनेट के आवेदन को खारिज कर दिया था। उसका कहना था कि अंग दान करने वाला अपराधी है। इसलिए उसके अंग नहीं लिए जा सकते। केरल हाईकोर्ट ने अंग-प्रत्यारोपण प्राधिकरण समिति के इस निर्णय को गलत ठहराया। जज पीवी कुन्हीकृष्णन ने समिति के फैसले को खारिज कर दिया। उन्होंने धर्मनिरपेक्षता का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति का ऑर्गन डोनेट करने से उसके अपराधी होने का कोई संबंध नहीं है। कोर्ट ने कहा कि किसी का लीवर, किडनी या दिल आपराधिक नहीं होता। पीवी कुन्हीकृष्णन ने समिति के फैसले को निरस्त करते हुए कहा कि हम सभी के शरीर में एक जैसा खून है। कोर्ट ने कहा है कि 1994 के मानव अंग एवं उत्तक प्रतिरोपण अधिनियम को सांप्रदायिक सौहार्द एवं धर्मनिरपेक्षता का पथप्रदर्शक बनने दें।

मायावती को ब्राह्मणों के समर्थन से यूपी में सरकार बनाने का भरोसा

लखनऊ (एजेंसी)।

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने मंगलवार को कहा कि बसपा प्रबुद्ध वर्ग (ब्राह्मण) के समर्थन से उत्तर प्रदेश में अगली सरकार बनाने के कयास लगा रही है। बसपा मुख्यालय में पार्टी के प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलनों की परिणति के अवसर पर एक बैठक को संबोधित करते हुए, मायावती ने कहा, हमने हमेशा सभी जातियों का सम्मान किया है। यह पार्टी किसी एक जाति से नहीं, बल्कि सभी की है। मुख्यमंत्री के रूप में, मैंने सुनिश्चित किया है कि सभी को उचित सम्मान मिले। बसपा में ब्राह्मणों और अन्य समुदायों के हित सुरक्षित हैं। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने भाजपा जैसे लोगों से कभी झूठे वादे नहीं किए, बल्कि सभी के विकास और कल्याण के लिए काम किया है। महामारी में अपनी पहली सार्वजनिक उपस्थिति में, मायावती ने स्पष्ट किया कि उन्होंने महामारी के दौरान बैठकें नहीं कीं, क्योंकि इससे राज्य सरकार को अपनी पार्टी के सदस्यों को निशाना बनाने का मौका मिलता। उन्होंने कहा, प्रबुद्ध सम्मेलनों के लिए भी, राज्य सरकार ने प्रतिभागियों के लिए एक सीमा निर्धारित की थी। अगर संख्या सीमा से अधिक होती तो वे मेरी पार्टी के कार्यकर्ताओं को जेल में डाल देते और इससे चुनाव के लिए पार्टी का प्रचार प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि बसपा द्वारा प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन शुरू करने के बाद अन्य दलों ने भी इसका अनुसरण किया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

45 आईएएस अधिकारियों पर सालों से लंबित शिकायती प्रकरणों की होगी जांच, हाईकोर्ट में पीआईएल दायर।

याचिकाकर्ता का कहना : सरकार 15 साल में भी नहीं ले पाई निष्पक्ष जांच का निर्णय।

क्रांति समय दैनिक समाचार

चिरमिरी। राज्य के 45 आईएएस अधिकारियों कि मुश्किल है अब बढ़ती नजर आ रही हैं। दरअसल इन अधिकारियों के खिलाफ 10 से 15 साल पहले की गई शिकायतें आज भी लंबित है। उन शिकायतों पर निष्पक्ष जांच कराने के लिए आरटीआई विशेषज्ञ राजकुमार मिश्रा ने छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में जनहित याचिका 69/2021 दाखिल की है। वही मामले में हाई कोर्ट की डबल बेंच ने आईपीएस अधिकारियों के खिलाफ हुई शिकायतों की विस्तृत जानकारी मांगी है।

बता दें कि, प्रदेश में कई आईएएस अधिकारियों के खिलाफ लंबे समय से शिकायती प्रकरण बनाकर ठंडे बस्ते में डाल दिए गए हैं। दिसंबर 2015 में विधानसभा में प्रदेश के आईएएस अधिकारियों के खिलाफ लंबित शिकायती प्रकरणों पर प्रश्न पूछा गया था। जिस पर तत्कालीन मुख्यमंत्री ने वर्ष 2016 तक 45 आईएएस अधिकारियों के विरुद्ध शिकायती प्रकरण लंबित होने की बात कही थी। जिसके बाद से आरटीआई विशेषज्ञ राजकुमार मिश्रा ने मामले में आरटीआई से जानकारी जुटाना शुरू किया। साथ ही 2021 में आईएएस अधिकारियों के खिलाफ लंबित शिकायती प्रकरणों की निष्पक्ष जांच के लिए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की। हाईकोर्ट में डबल बेंच ने सुनवाई के दौरान आईएएस अधिकारियों के खिलाफ दर्ज शिकायतों की विस्तृत जानकारी मांगी है। जिस पर याचिकाकर्ता ने जानकारी इकट्ठा करना शुरू कर दिया है जल्द ही मामले में कोई नया मोड़ आएगा।

आई.ए.एस. अधिकारियों के विरुद्ध लंबित शिकायत

स.क्र.	अधिकारी का नाम / पदस्थापना	वर्तमान पदस्थापना
1.	श्री सी.के. खैतान, तत्कालीन सचिव, जल संसाधन विभाग	सयुक्त सचिव एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, राष्ट्रीय न्यास, भारत सरकार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय
2.	श्री जी. आर. चुरेन्द्र, तत्का. अपर कलेक्टर गरियाबंद	कलेक्टर, सूरजपुर
3.	श्री छत्तर सिंह डहरे, सयुक्त सचिव स्कूल शिक्षा विभाग	संयुक्त सचिव, धार्मिक न्यास तथा धर्मस्व विभाग
4.	डॉ कमलप्रीत सिंह, तत्का. संचालक, स्वास्थ्य विभाग	संचालक, संस्थागत वित्त (विशेष सचिव, वित्त विभाग का अतिरिक्त प्रभार)
5.	श्री मुकेश बंसल, रायगढ़ कलेक्टर	कलेक्टर, राजनांदगांव
6.	श्री एन.एम. क्षीरसागर, अनु.अधि. सारंगढ़	अपर आयुक्त, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (नरेगा छ.ग. रायपुर)
7.	श्रीमती शारदा वर्मा, तत्का. अपर संचालक, आदिम जाति	पंजीयक, फर्म्स एवं संस्थाएं तथा उप सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग का अतिरिक्त प्रभार
8.	श्रीमती ऋतु सेन, कलेक्टर सरगुजा	कलेक्टर, सरगुजा
9.	श्री निरंजन दास, कलेक्टर, गरियाबंद	कलेक्टर, गरियाबंद
10.	श्री हिमशिखर गुप्ता, तत्का. कलेक्टर, जशपुर	कलेक्टर, जशपुर
11.	श्री एन.के. खाखा, तत्का. आयुक्त आदिम जाति तथा अनु. जनजाति विभाग	सदस्य राजस्व मंडल, बिलासपुर
12.	श्री उमेश कुमार अग्रवाल, कलेक्टर, महासमुंद	कलेक्टर, महासमुंद
13.	श्री ओ.पी. चौधरी, कलेक्टर, जांजगीर चांपा	कलेक्टर, जांजगीर चांपा
14.	श्रीमती आर. संगीता, कलेक्टर, दुर्ग	कलेक्टर, दुर्ग
15.	श्री टी. राधाकृष्णन, संचालक आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रायपुर	संचालक, आदिम जाति तथा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रायपुर
16.	श्री अमित कटारिया, कलेक्टर रायगढ़	कलेक्टर, बस्तर
17.	श्री नरेन्द्र कुमार शुक्ला, कलेक्टर, बालोद	संचालक, कृषि विपणन मंडी बोर्ड
18.	श्री एलेक्स पाल. मेनन, कलेक्टर, सुकमा	कलेक्टर, जिला बलरामपुर–रामानुजगंज
19.	श्री के.सी. देवासेनापति, कलेक्टर, दंतेवाड़ा	कलेक्टर, जिला – दंतेवाड़ा
20.	श्री अशोक कुमार अग्रवाल, आयुक्त, रायपुर संभाग	आयुक्त, रायपुर संभाग तथा आयुक्त, दुर्ग संभाग, दुर्ग का अतिरिक्त प्रभार
21.	सुश्री ओमेगा युनाईस टोप्पो, संयुक्त सचिव, छ.ग. शासन, वन विभाग	संयुक्त सचिव, वन
22	श्री भीमसिंह, तत्का. अनु.अधिकारी, पंड्रारोड	कलेक्टर, धमतरी
23	श्री चंदन कुमार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कांकेर	मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कांकेर
24	सुश्री अलरमेलमंगई डी. कलेक्टर जिला रायगढ़	कलेक्टर, रायगढ़
25	श्री रणबीर शर्मा,एसडीएम भानुप्रतापपुर	अवर सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग
26	श्री जी.एस. मिश्रा, आबकारी आयुक्त	आयुक्त, आबकारी एवं पदेन सचिव, वाणिज्यकर (आबकारी एवं पंजीयन) विभाग, तथा प्रबंध संचालक, वेवरेजेस कार्पोरेशन तथा सचिव, जनसंपर्क
27	श्री विलास संदीपन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कोरबा	मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, कोरबा

147 [16 दिसम्बर, 2015

28	श्री अवनीश कुमार शरण, आयुक्त नगर निगम रायपुर	मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, रायपुर
29	डॉ सारांश मित्तर, आयुक्त नगर निगम	आयुक्त, नगर निगम, रायपुर
30	श्री जे.पी. पाठक, तत्का. मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत कोरबा	पंजीयक, सहकारी संस्थाएं
31	श्री अंकित आनंद, तत्का. कलेक्टर जशपुर	प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य विद्युत वितरण कंपनी
32.	श्री दिनेश श्रीवास्तव, तत्का. प्रबंध संचालक, छ.ग. पर्यटन मंडल, रायपुर	सचिव, महिला एवं बाल विकासतथा सचिव, सामाज कल्याण विभाग तथा सचिव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग
33.	श्री टामन सिंह सोनवानी, तत्का सीईओ, जिला पंचायत जांजगीर चांपा	कलेक्टर, नारायणपुर
34.	श्री के.डी.पी. राव, अध्यक्ष छ.ग. माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर	अध्यक्ष, छ.ग. माध्यमिक शिक्षा मंडल, रायपुर
35.	श्री सुरेन्द्र कुमार जायसवाल, तत्का. प्रबंध संचालक, मार्कफेड	आयुक्त–सह–संचालक, पंचायत
36.	श्री एम.के. राउत, तत्का. प्रमुख सचिव, लोक निर्माण विभाग	अपर मुख्य सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा श्रम विभाग, विकास आयुक्त
37.	श्री अन्बलगन.पी., कलेक्टर, बस्तर	कलेक्टर, बिलासपुर
38.	श्री व्ही. के. धुर्वे, कलेक्टर, कोण्डागांव	संयुक्त सचिव, जेल / परिवहन विभाग मंत्रालय
39.	श्री रजत कुमार, कलेक्टर, जिला कोरबा	सयुक्त सचिव, मुख्यमंत्री व संयुक्त सचिव, विमानन तथा संचालक, विमानन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नया रायपुर विकास प्राधिकरण
40.	श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी, कलेक्टर राजनांदगांव	आयुक्त, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, अतिरिक्त प्रभार आयुक्त–सह–संचालक, नगर तथा ग्राम निवेश
41.	डॉ. रोहित यादव, तत्का. कलेक्टर, राजनांदगांव	संचालक, नगरीय प्रशासन विकास विभाग तथा प्रबंध संचालक, छ.ग. सड़क विकास निगम
42.	श्री भुवनेश यादव, तत्का. संचालक, उद्यानिकी विभाग	संयुक्त सचिव, उच्च शिक्षा विभाग तथा मिशन संचालक राष्ट्रीय उच्चर शिक्षा अभियान का अतिरिक्त प्रभार
43.	श्री सुव्रत साहू, सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग	सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग
44.	श्री अमृत खलको, कलेक्टर, बालोद	अपर आयुक्त, बिलासपुर / सरगुजा संभाग,
45.	श्री दिलीप वासनिकर, तत्का. नगर निगम आयुक्त, दुर्ग	आयुक्त बस्तर संभाग, जगदलपुर

15 साल में भी नहीं ले पाए जांच का निर्णय : राजकुमार मिश्रा

मामले में आरटीआई विशेषज्ञ राजकुमार मिश्रा का कहना है कि, आपको जानकर आश्चर्य होगा कि कुल ४५ आईएएस अधिकारी ऐसे हैं जिनके ऊपर शिकायती प्रकरण १०, १२ या १५ साल से लंबित है। क्या कांग्रेस सरकार और क्या भाजपा सरकार कोई भी यह निर्णय नहीं कर पाई की इन शिकायती प्रकरणों पर जांच करनी है या नहीं करनी। मामले में मैंने जानकारी जुटाकर माननीय हाई कोर्ट छत्तीसगढ़ में जनहित याचिका लगाई है। सुनवाई के दौरान डबल बेंच ने आईएएस अधिकारियों के विरुद्ध की गई शिकायतों की जानकारी भी प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। जल्द ही दस्तावेज इकट्ठा कर हाई कोर्ट में पेश करूंगा।

राजस्व तथा खाद्य विभाग के 2492 पदों पर भर्ती के लिए तैयारियां शुरू..

क्रांति समय दैनिक समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गृह (पुलिस), राजस्व तथा खाद्य विभाग के विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए अनुमति जारी करने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए हैं। उनके इस निर्देश के बाद कुल 2492 पदों पर भर्ती के लिए प्रक्रिया शुरुकर दी गई

है। श्री बघेल ने इन विभागों के अतिरिक्त अन्य सभी विभागों के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल द्वारा आज लिए गए निर्णय के फलस्वरूप गृह (पुलिस) विभाग के अंतर्गत ' बस्तर फाइटर्स ' बल के गठन की मंजूरी जारी की गयी जिसमें 2100 पदों के भर्ती की अनुमति दी गयी है। इसी तरह राजस्व विभाग अंतर्गत मैदानी स्तर पर 301 पटवारियों के पदों पर नयी भर्ती की जाने की अनुमति दी गई है । खाद्य विभाग अंतर्गत 84 खाद्य निरीक्षकों के साथ-साथ कुल 91 पदों पर भर्ती की की जाएगी ।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने युवाओं का आह्वान किया है कि वे इन अवसरों का लाभ उठाने के लिए अच्छी मेहनत और लगन के साथ तैयारियां करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को रिक्त पदों का परीक्षण कर उन पर सीधी भर्ती किए जाने की कार्ययोजना बना कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री श्री बघेल द्वारा सम्पूर्ण प्रक्रिया को त्वरित गति एवं पूर्ण पारदर्शिता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

संकट के बावजूद राज्य सरकार लगातार युवाओं सहित सभी वर्ग के प्रदेशवासियों के हित में निर्णय ले रही है। बस्तर फाइटर्स दल के गठन से जहां बस्तर के स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा, वहीं स्थानीय युवाओं के अनुभवों का लाभ पुलिस बल को भी प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि पटवारियों की भर्ती होने से किसानों एवं नागरिकों की राजस्व प्रशासन से संबंधित समस्याओं एवं मांगों का त्वरित निराकरण स्थानीय स्तर पर हो सकेगा। खाद्य निरीक्षकों की भर्ती होने से सार्वजनिक वितरण प्रणाली का सुदृढ़ीकरण होगा।

भर्ती की अनुमति जारी होते ही भर्ती विज्ञापन एवं परीक्षा आयोजन की कार्यवाही करने हेतु संबंधित विभागों को निर्देशित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा है कि कोविड संक्रमण के कारण उत्पन्न विषम आर्थिक

नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक मीणा ने ली पुलिस अधिकारियों और थानेदारों की बैठक

क्रांति समय दैनिक समाचार

भिलाई (एजेंसी)। दुर्ग जिले के नव पदस्थ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बद्रीनारायण मीणा के द्वारा पुलिस कंट्रौल रूम भिलाई के सभागार में दुर्ग पुलिस के समस्त राजपत्रित अधिकरियो, थाना एंव चौकी प्रभारियो की पहली बैठक ली। बैठक में नव पदस्थ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के द्वारा समस्त अधिकारियो का परिचय प्राप्त किया गया। उसके बाद बैठक में उपस्थित समस्त अधिकारियो को जिले में जुए, सट्टे एंव अवैध व्यापार करने वालो पर पूर्ण अकुंश लगाने के सख्त निर्देश दिये। जनता से सद्भावनापूर्वक व्यवहार करने एंव उनकी समस्या का जल्द निराकरण करने के संबंध मे आवश्यक निर्देश भी दिये। थानो के रिकार्ड दुरूस्त रखने, शिकायत/आवेदन की जांच एंव निराकरण समय पर करने, माननीय उच्च न्यायालय से प्राप्त वारंटो/पत्रो का सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर तामीली रिपोर्ट भेजने से संबंधित आवश्यक निर्देश भी दिये।

जुआ, सट्टा और अवैध व्यापार करने वालो पर पूर्ण अकुंश लगाने दिये सख्त निर्देश

बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर संजय कुमार धुरव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण लखन साहू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात कविलाश टंडन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आईयूसीएडब्लू श्रीमती मीता पवार, नगर पुलिस अधीक्षक भिलाई नगर राकेश जोशी, नगर पुलिस अधीक्षक छावनी विश्वास चंद्राकर, नगर पुलिस अधीक्षक दुर्ग कौशलेन्द्र पटेल, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पाटन देवांश सिंह, उप पुलिस अधीक्षक यातायात गुरजीत सिंह, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अभिषेक झा, रक्षित निरीक्षक दुर्ग निलेश द्विवेदी सहित इनके साथ जिले के समस्त अराजपत्रित अधिकारी उपस्थित थे।

कोरबा जिले में 30 सितंबर तक च्वाइस सेंटर में बनेंगे निशुल्क

क्रांति समय दैनिक समाचार

कोरबा (एजेंसी) कोरबा जिले में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 30 सितंबर तक नि:शुल्क आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे है। पात्र राशन कार्ड धारी परिवारों को पांच लाख तक की नि:शुल्क इलाज की सुविधा मिलेगी। शेष राशन कार्ड धारी परिवार कार्ड से पचास हजार रूपये तक की नि:शुल्क इलाज करा सकेंगे। पात्र हितग्राही

पचास हजार से पाँच लाख तक मिलेगी नि:शुल्क इलाज की सुविधा

साढ़े पाँच लाख से अधिक हितग्राहियों ने बनवाया आयुष्मान कार्ड

हितग्राही अपने नजदीकी चॉइस सेंटर कॉमन सर्विस सेंटरों में आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं। जिले में अब तक 5 लाख 81 हजार हितग्राहियों का राशन कार्ड बनाया जा चुका है। स्वास्थ्य विभाग ने छूटे हुए हितग्राहियों को तय समय सीमा में आयुष्मान कार्ड बनवाने की अपील की है। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से अंत्योदय, प्राथमिकता अपना इलाज पंजीकृत सरकारी या निजी अस्पतालों में करा सकते हैं। आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए च्वाइस सेंटरों या कामन सर्विस सेंटरों से यदि पैसे की मांग की जाती है, तो हितग्राही इसकी शिकायत टोल फ्री नंबर 104 या 1455 में कर सकते हैं। हितग्राही स्वयं सीएमएचओ कार्यालय में उपस्थित होकर अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार
संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180
या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com